मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 297
बुधवार, 21 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

चिकनी पाड़ा इलाके में चार मंजिला इमारत की चौथी मंजिल का स्लैब गिरा, छह लोगों की मौत, छह घायल

◆चौथी मंजिल का स्लैब सीधे ग्राउंड फ्लोर पर गिरा

◆मृतकों में डेढ़ साल की बच्ची भी शामिल

कल्याण। कल्याण पूर्व चिकनी पाड़ा इलाके में करीब चालीस साल पुरानी पांच मंजिला सप्तश्रृंगी नामक इमारत की चौथी मंजिल का स्लैब आज दोपहर करीब 12 बजे ढहने की घटना हुई। ढहने के कारण चौथी मंजिल का स्लैब नीचे ग्राउंड फ्लोर पर आ गिरा। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की टीम और केडीएमसी के अधिकारी और पुलिस कर्मचारी और अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। इस बीच, दमकल विभाग ने 12 लोगों को बचाया, जिनमें से डेढ़ साल की बच्ची समेत चार महिलाएं और एक पुरुष सभी मिलाकर 6 लोगों की मौत हो गई।

सप्तश्रृंगी इमारत कल्याण पूर्व महाराष्ट्र नगर के चिकनी पाड़ा में स्थित है। ग्राउंड फ्लोर प्लस चार मंजिला इमारत करीब 40 साल पुरानी है। इस इमारत में करीब 50 परिवार रहते थे। दोपहर के समय इस इमारत के एक तरफ की चौथी मंजिल का स्लैब गिर गया। जानकारी के अनुसार, यह स्लैब ग्राउंड फ्लोर पर गिरा। इस हादसे में 12 लोग इमारत में फंस गए। घटना

की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग और केडीएमसी की टीमें, पुलिस प्रशासन, स्थानीय जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। चार घंटे के अथक प्रयास के बाद 12 लोगों को इस इमारत से बाहर निकाला गया। चूंकि ये सभी गंभीर रूप से घायल थे, इसलिए उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें डेढ़ साल की बच्ची नमस्वी शेलार, प्रमिला साहू 58, सुनीता साहू 37, सुजाता पाडी 32, सुशीला गूजर 78, वेंकट चव्हाण 42 की मौत हो गई है जबकि शेष 6 का कल्याण डोंबिवली के विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। सप्तश्रृंगी इमारत खतरनाक इमारतों की सूची में नहीं थी, लेकिन मानसून की पृष्ठभूमि में, इस इमारत का संरचनात्मक ऑडिट करने के लिए कहा गया था। इस इमारत की मरम्मत का काम चल रहा था। जिस हिस्से में आज मलबा गिरा, उस हिस्से की चौथी मंजिल पर फर्श लगाने का काम चल रहा था। इसी दौरान यह हादसा हुआ।

खतरनाक और बेहद खतरनाक इमारतों का मुद्दा हुवा गर्म : कल्याण डोंबिवली क्षेत्र में खतरनाक और बेहद खतरनाक इमारतों का मुद्दा सामने आया है। खतरनाक इमारतों में रहने वाले निवासी अपने घर खाली करने के लिए तैयार नहीं हैं और कुछ इमारतों के मामले अदालत में लंबित हैं, इसलिए उन्होंने केडीएमसी से इन इमारतों को खाली करने की अपील की है। अगर इमारतों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है, तो इन इमारतों में रहने वाले निवासियों का आरोप है कि मकान मालिक निवासियों को घर देने की अंधी नीति अपना रहे हैं, इसलिए इमारतों के निवासी इस रुख पर अड़े हुए हैं: पहले हमारा पुनर्वास करें और फिर इमारत को गिराएं। इस बीच, इस घटना ने कल्याण डोंबिवली की सीमा के भीतर खतरनाक और बेहद खतरनाक इमारतों में रहने वाले निवासियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया है।

अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद पर शिकंजा, कोर्ट ने 14 दिन की ज्युडिशियल कस्टडी में भेजा

हरियाणा, 20 मई। हरियाणा के सोनीपत की एक जिला अदालत ने मंगलवार को अशोका विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अली खान महमूदाबाद को जम्मू-कश्मीर में सेना के ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े एक सोशल मीडिया पोस्ट पर गिरफ्तारी के कुछ दिनों बाद 27 मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। निजी विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. महमूदाबाद को दो दिन की पुलिस रिमांड की अवधि समाप्त होने के बाद अदालत में पेश किया गया। उनके वकील कपिल बालियान के अनुसार, पुलिस ने रिमांड को और सात दिन बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन अदालत ने याचिका खारिज कर दी और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। प्रोफेसर को रविवार को सोनीपत के राई पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ दो एफआईआर दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किया गया था। एक शिकायत हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया ने और दूसरी शिकायत भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) के महासचिव योगेश जठेरी ने दर्ज कराई थी, जो सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की युवा शाखा है। दोनों शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि महमूदाबाद की पोस्ट भड़काऊ, राष्ट्र-विरोधी प्रकृति की थी और देश की संप्रभुता और अखंडता को कमजोर करती है।

बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे का महाराजगंज में हुआ भव्य स्वागत

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान महाराजगंज में सिवान से छपरा जाने के क्रम में गोरख सिंह कॉलेज पर स्वास्थ्य मंत्री का भव्य स्वागत किया गया।

महाराजगंज.बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे सोमवार को सीवान से छपरा के जनता बाजार जाने के क्रम में महाराजगंज गोरख सिंह कॉलेज के निदेशक डॉ अभय कुमार सिंह अपने महा विद्यालय परिवार के तरफ से कॉलेज के गेट के पास फूल का माला पहना कर भव्य स्वागत किया. डॉ अभय कुमार सिंह के अगवाई में भाजपा कार्यकताओं के द्वारा फूलमाला से स्वागत किया गया। मौके पर राहुल उच्च विद्यालय की पूर्व एच एम वीणा सिंह, कॉलेज के प्राचार्य धीरेन्द्र कुमार सिंह, प्रो अनिल कुमार सिंह, प्रो मुरारी सिंह, बीएड कॉलेज के प्राचार्य अश्वनी कुमार प्रो जगदीश तिवारी, जिला के बीजेपी प्रवक्ता दिलीप कुमार सिंह, सीवान जिला पुर्वी के अध्यक्ष रणजीत कुमार,ऋणों पांडे,अधिवक्ता मिथलेश कुमार सिंह, आदि एनडीए के कार्यकर्ता मौजूद थे।

बिजलीकर्मियों ने निजीकरण के खिलाफ किया जोरदार प्रदर्शन

◆29 मई से अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार का ऐलान

◆हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ कर ऊर्जा प्रबंधन को चेताया

सुरेश गांधी

वाराणसी। पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण के विरोध में सोमवार को वाराणसी के बिजली कर्मचारियों ने भिखारीपुर स्थित प्रबंध निदेशक कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। विधुत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के बैनर तले आयोजित इस प्रदर्शन में राज्य विद्युत जूनियर इंजीनियर संगठन ने भी संघर्ष समिति के साथ एकजुट होकर आंदोलन को

समर्थन दिया। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन कर ऊर्जा विभाग को ह्लसही मार्ग पर चलनेह्व का संदेश दिया।

प्रदर्शन होगा और तेजः संघर्ष समिति ने ऐलान किया है कि यह विरोध प्रदर्शन 28 मई तक रोजाना दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक जारी रहेगा। इसके बाद 29 मई से प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार शुरू किया जाएगा। समिति ने यह भी बताया कि 21 मई से संगठन के केंद्रीय पदाधिकारी पूरे प्रदेश में दौरा करेंगे और कर्मचारियों को आंदोलन के लिए तैयार करेंगे।

संघर्ष समिति के आरोपः प्रदर्शनकारियों ने पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन पर आंकड़ों में हेरफेर कर घाटा बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का आरोप लगाया है। समिति का कहना है कि 9206 करोड़ रुपये का घाटा दर्शाकर चार दिन के भीतर उसे संशोधित कर 19600 करोड़ रुपये का घाटा बताया गया, ताकि निजीकरण का रास्ता साफ किया जा सके। समिति ने आगरा का उदाहरण देते हुए बताया कि निजीकरण के बाद वहां 54 प्रतिशत की एटीएंडसी हानि दिखाई गई थी, जबकि असली आंकड़ा 40 प्रतिशत से नीचे था। आज भी वहां पावर कॉरपोरेशन 5.55 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदकर निजी कंपनी को 4.36 रुपये प्रति यूनिट में दे रहा है, जिससे उसे प्रति वर्ष 274 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। **शक्ति भवन बना किलाः** सोमवार के विरोध प्रदर्शन के दौरान शक्ति भवन पर टकराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। आरोप है कि पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन ने भवन के सभी गेट बंद करवा दिए, जिससे न कोई बाहर आ सका और न कोई अंदर जा सका। संघर्ष समिति के विरोध के बाद गेट खोले गए।

सभा को इन नेताओं ने किया संबोधितः प्रदर्शन सभा की अध्यक्षता ओ.पी. सिंह ने की, जबकि संचालन अंकुर पांडेय ने किया। सभा को ई. माया शंकर तिवारी, ई. नरेंद्र वर्मा, ई. एस.के. सिंह, ई. नीरज बिंद, ई. मनीष राय, ई. पंकज जायसवाल सहित कई इंजीनियरों और कर्मचारियों ने संबोधित किया। संघर्ष समिति ने चेताया है कि अगर निजीकरण की प्रक्रिया वापस नहीं ली गई, तो पूरे प्रदेश में बिजली आपूर्ति बाधित हो सकती है, जिसकी जिम्मेदारी सरकार और पावर कॉरपोरेशन प्रशासन की होगी।

एक ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य में वाराणसी निभाएगा अहम भूमिका

जीडीपी वृद्धि को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के राज्य सरकार के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद की जीडीपी वृद्धि को गति देने के लिए विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों से उनके विभागों की अब तक की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों में कार्य कर रहे विभागों को माइक्रो लेवल पर ठोस कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। तालाबों के पट्टों में वृद्धि के

निर्देश जिलाधिकारी ने मत्स्य विभाग के अधिकारी को तालाबों के पट्टों की संख्या बढ़ाने के साथ मासिक लक्ष्यों के अनुसार पट्टे जारी रने की योजना तैयार करने को कहा। साथ ही, राजस्व विभाग से समन्वय स्थापित कर तेजी से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

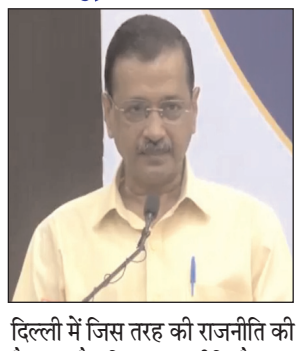

हर क्षेत्र में व्यापक कार्य योजना पर जोर बैठक में कृषि, पशुपालन, वानिकी, खनन जैसे प्राथमिक क्षेत्रों के साथ-साथ विनिर्माण, जलापूर्ति, निर्माण आदि द्वितीयक क्षेत्रों तथा व्यापार, होटल, मरम्मत सेवाएं जैसे तृतीयक क्षेत्रों से संबंधित अधिकारियों को कार्य योजनाएं बनाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि विभागीय योजनाओं के साथ आर्थिक विकास की दिशा में प्रभावी पहल जरूरी है। सभी विभाग सामूहिक प्रयासों से ही प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में योगदान दे सकते हैं।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों को बीजेपी ने किया बर्बादः अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, 20 मई। आप ने अपनी आधिकारिक छात्र शाखा- 'वैकल्पिक राजनीति के लिए छात्र संघ' का शुभारंभ किया। इस दौरान आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज हम जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं, उनकी जड़ें आज की राजनीति में हैं, जिसे हम मुख्यधारा की राजनीति कहते हैं, कांग्रेस, भाजपा और अन्य दलों की राजनीति, जो 75 साल से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि जब आप 10 साल तक दिल्ली में सत्ता में थी, तब 24 घंटे बिजली आती थी। आज दिल्ली में बिजली कटौती हो रही है।

केजरीवाल ने कहा कि हमने दिल्ली में जिस तरह की राजनीति की है, वह वैकल्पिक राजनीति है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि लोगों को अच्छी शिक्षा मिले, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। वे ऐसा नहीं चाहते। अभी तीन महीने भी नहीं हुए हैं और भाजपा सरकार ने सरकारी स्कूलों को बर्बाद करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे देश को आजाद हुए 75 साल हो गए हैं लेकिन आज भी हमारे सामने तमाम समस्याएं बनी हुई हैं। इन सभी समस्याओं की जड़ सिर्फ मुख्य धारा राजनीति ही है और विकल्प राजनीति से देश की तमाम समस्याओं को खत्म किया जा सकता है। इससे पहले, AAP की युवा शाखा - छात्र युवा संघर्ष समिति - डिफॉल्ट छात्र शाखा थी, और इसने दिल्ली विश्वविद्यालय में चुनाव भी लड़ा था।

एपी मीडिया

हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए

सम्पर्क करे: 9199355950

भीतर के दुश्मनों के खिलाफ सख्ती-चौकसी बढ़ानी होगी

-ललित गर्ग

पाकिस्तान भारत के अनेक लालची, शानोशौकत के आकांक्षी, देशद्रोही एवं देश के दुश्मन लोगों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ प्रचार और जासूसी गतिविधियों के लिए कर रहा था। ऐसे ही कुछ देश विरोधी तत्वों का पदार्फाश होना चौंकाता भी है एवं चिन्ता में भी डालता है। ऐसे ही तत्वों में एक नाम है ज्योति मल्होत्रा, उस पर आरोप है कि वह न केवल सोशल मीडिया पर पाकिस्तान की सकारात्मक छवि पेश कर रही थी, बल्कि उसने पाक खुफिया एजेंसी के एजेंटों से भारत से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां भी साझा कर रही थीं, जिनमें ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी गोपनीय जानकारियां भी थीं। वह एक खुफिया एजेंट के रूप में सीमा पार से चलाए जा रहे नेटवर्क का हिस्सा थी। देश की सुरक्षा एजेंसियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारत की मिट्टी पर छिपे गद्दार कितनी भी चालाकी से छिप जाएं, वे कानून की नजरों से नहीं बच सकते। उम्मीद है कि पूछताछ में ऐसे सबूत मिल सकते हैं जो भारत के खिलाफ बड़ी साजिशों का खुलासा कर सके। ह्यऑपरेशन ह्यसिंदूरह्ल ने न सिर्फ सरहद पार बैठे दुश्मनों की नींद हराम कर दी है, बल्कि देश के भीतर बैठे गुप्त गद्दारों की भी कमर तोड़ दी है। हाल ही में लगातार ऐसे अनेक राष्ट्र-विरोधी जासूसों की गिरफ्तारी ने जता दिया कि भारत हर मोर्चे पर देश की सुरक्षा एवं संरक्षा के लिये प्रतिबद्ध है। ये गिरफ्तारियां अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण एवं यह भी पाक की एक करारी हार ही है।

पाक के लिए जासूसी करने के आरोप में हरियाणा के हिसार की यूट्यूबर और ट्रैवल ब्लॉगर ज्योति मल्होत्रा समेत छह लोगों की खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर की गयी गिरफ्तारी भारत की सतर्कता एवं सावधानी को तो दशार्ती ही है, इससे यह भी स्पष्ट होता है कि इस चुनौती भरे समय में भीतर के दुश्मनों की शिनाख्त एवं उनकी धडपकड़

कितनी जरूरी है। ट्रैवल विद जो नाम से यू-ट्यूब चैनल चलाने वाली ज्योति पर आरोप है कि वह पाक के कई उच्च अधिकारियों के संपर्क में थी और भारत से जुड़ी गुप्त सूचनाएं पाक तक पहुंचाती थी। पता यह भी चला है कि पाक यात्रा के दौरान उसकी मुलाकात पाक उच्चायोग के एक कर्मचारी दानिश से हुई, जिसके माध्यम से उसकी पहचान आइएसआइ के एजेंटों से हुई। ज्योति इन एजेंटों के साथ व्हाट्सएप, टेलीग्राम और स्नैपचौट के जरिये संपर्क में थी। कहते हैं कि उसने एक पाक खुफिया अधिकारी के साथ गहरे संबंध बनाये और उसके साथ बाली भी गयी थी। ज्योति एवं उसके सहयोगी बेखौफ भारत की अति-संवेदनशील एवं गोपनीय सूचनाओं को पाक से साझा करते हुए देश को नुकसान पहुंचा रहे थे। ये सभी आम नागरिकों की तरह जिंदगी जी रहे थे, लेकिन इनके इरादे राष्ट्रविरोधी थे। देश की कीमत पर सारे राष्ट्र-मूल्यों एवं निष्ठाओं को ताक पर रखकर धनार्जन की लालसा और मौज-मस्ती का लक्ष्य घिनौना एवं अक्षम्य अपराध है। राष्ट्र को इन विस्फोटक विसंगतियों से बचाना होगा।

भारत विरोधी शक्तियों के हाथ में खेलकर देश को मुश्किल में डालने का यह कृत्य परेशान एवं चिन्ता में डालने वाला है। बहुत संभव है कि जासूसी कांड में लिप्त ये भारतीय बड़े आर्थिक प्रलोभनों के लालच में पाक एजेंटों के जाल में फंसे हों। लेकिन बड़ा प्रश्न है कि कैसे कुछ लोग पैसे व शानोशौकत के लालच में देश की सुरक्षा व लोगों का जीवन भी दांव पर लगा सकते हैं? देश के भीतर के ये दुश्मन बाहरी दुश्मनों से ज्यादा घातक एवं नुकसानदेय हैं। पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई से ताल्लुक रखने पर पिछले दिनों हरियाणा, पंजाब व यूपी के इन लोगों की गिरफ्तारी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। लेकिन इनकी गहन जांच से और भी गंभीर खुलासे होने की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। ये एक गंभीर चुनौती है और हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों और खुफिया संस्थाओं को अब इस चुनौती को गंभीरता से लेना होगा। इन लोगों के तार भीतर कहां-कहां जुड़े है, इसका पदार्फाश होना ज्यादा जरूरी है। ये तत्व देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ ही सांप्रदायिक सद्भाव एवं आम-जनजीवन को भी खतरे में डाल सकते हैं।

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा की ज्योति कथित तौर पर हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक कर्मचारी के संपर्क में थी, जिसे हाल ही में भारत विरोधी गतिविधियों के लिये देश से निकाला गया। इस मामले में चल रही जांच से पता चला है कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले से पहले ज्योति कश्मीर गई और उससे पहले पाकिस्तान गई थी। एक से अधिक बार पाकिस्तान जा चुकी ज्योति पर खुफिया अधिकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कई वीडियोज ने भी खुफिया एजेंसियों का ध्यान खींचा, चाहे वह नयी दिल्ली स्थित पाक दूतावास में इफ्तार की दावत का वीडियो हो, पिछले साल हुए विश्व कप में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतिक्रिया वाला वीडियो हो या कश्मीर घूमने आये लोगों पर बनाये गये वीडियो हों। विडंबना है कि पाकिस्तान भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गलत फायदा उठा रहा है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, ज्योति को दुबई के एक कथित हैंडलर के माध्यम से भुगतान किया जाता था।

यह खुलासा केवल ज्योति तक सीमित मामला नहीं है, बल्कि इसके जरिये एक बड़े नेटवर्क का पदार्फाश हुआ है उस पर पाक के खुफिया अधिकारियों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप हैं। यूपी के रहने वाले शहजाद और नौमान इलाही पर भी इसी तरह के आरोप हैं। पंजाब में मालेरकोटला के दो लोगों को भी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसियों को पता लगाना होगा कि क्या इन आरोपियों की सैन्य या रक्षा अभियानों से संबंधित जानकारी तक सीधी पहुंच थी या वे इसे उच्च पदस्थ स्त्रोतों से प्राप्त कर रहे थे? इन बातों का खुलासा होना सुरक्षा एवं सैन्य गोपनीयता की दृष्टि से ज्यादा जरूरी है। गिरफ्तार सभी अपराधियों को गंभीर पूछताछ के बाद कठोर सजा मिलनी चाहिए। दुश्मन चाहे देश के अंदर हो या बाहर उनके प्रति मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति निरंतर सख्ती के साथ कार्यरत रहनी ही चाहिए। सरकार और खुफिया एजेंसियां अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय संदिग्ध तत्वों की निगरानी और जांच को और तेज करने की दिशा में स्वाभाविक ही काम कर रही है। सरकार ने इन गिरफ्तारियों के बाद स्पष्ट संदेश दिया है कि राष्ट्र की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर के तहत अब तक देशभर में दर्जनों संदिग्धों को निगरानी में लिया गया है और जांच तेज है। निश्चय ही यह राष्ट्र-विरोधी जासूसों का खुलासा पाक रचित राष्ट्रघाती खेल का छोटा हिस्सा है, पाक सीधा युद्ध की सामर्थ्य एवं ताकत नहीं रखता, इसलिये कभी वह आतंक का सहारा लेता है तो कभी पैसों का प्रलोभन देकर देश के लोगों को खरीदने की कुचेष्ठा करता है। एक छलकपट वाले सूचना युद्ध के माध्यम से देश को नुकसान पहुंचाने की आईएसआई की साजिश को सख्ती से नाकाम किया जाए ताकि आने वाले समय में और बड़ी मछलियां इस दलदल में पकड़ी जा सकेंगी। पाक तो भारत का शत्रु है और वह सामने दिखाई दे रहा है, लेकिन देश के अंदर छिपे गद्दार भी भारत के शत्रु हैं। इस तरह के गद्दारों को चिन्हित करके उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। पाक का समर्थन करने वाले खालिस्तानी आतंकवादी हैं, कश्मीर में भी ऐसे लोग है जो पाक एवं उसके पोषित आतंवादियों का सहयोग एवं समर्थन करते हैं। ऐसे राष्ट्र-विरोधी लोगों एवं आतंकवादियों का सिर कुचलने का, यही सही समय है। केंद्र व राज्य सरकारों, मीडिया और जनता को मिलकर ऐसे तत्वों को बेनकाब करने में मदद करनी चाहिए। पुलिस को आधुनिक उपकरणों के साथ इस बाबत कुशल प्रशिक्षण देना चाहिए। बहरहाल, देश विरोधी तत्वों की निगरानी तेज करना वक्त की जरूरत है। ताकि देश मे छुपी इन काली भेड़ों एवं देश को दीमक की तरह खोखला कर रहे शत्रुताओं का नाश किया जा सके।

संभल के रहना देश में छुपे हुए गद्दारों से ....

अशोक भाटिया

1958 में रिलीज फिल्म 'तलाक' का यह गीत संभल के रहना अपने घर में छिपे हुए गद्दारों से.... आपको हमेशा संभल के रहने की ताकीद देता है। यह गीत आजादी के बाद मिलने वाले खुशी को व्यक्त करता है साथ ही खुशियों को कायम रखने के लिए देशवासियों को सावधान रहने को भी कहता है।फिल्म का यह कथन उजागर हो रहा है हाल में पकड़े गए पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले ज्योति मल्होत्रा व अन्य पर।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान में छिपे भारत के दुश्मनों का सफाया कर दिया। वहीं अब सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से भारत में छिपे गद्दारों पर एक के बाद एक कार्रवाई हो रही है। पिछले कुछ दिनों में 11 पाकिस्तानी जासूसों को गिरफ्तार किया गया है। ये वो जासूस हैं जो भारत में रहकर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए काम करते थे। गिरफ्तार किए गए लोगों की लिस्ट में तमाम तरह के लोग हैं। यूट्यूबर, स्टूडेंट, व्यवसायी, गार्ड हर स्तर पर पाकिस्तान के इशारे पर ये सूचना पहुंचाते थे। भारत सरकार ने 13 मई, 2025 को दानिश को 24 घंटे में देश छोड़ने का आदेश दे दिया। इससे पहले ही पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वालों की धरपकड़ शुरू हो चुकी थी। शुरूआत हुई गजाला से। अब तक जो 11 लोग पकड़े जा चुके हैं ये सभी पंजाब, हरियाणा और यूपी से हैं। बदले में इन्हें लड़कियों से दोस्ती, पैसे, घूमने का लालच दिया गया था।

जासूसी के शक में पकड़े गए लोगों में सबसे चर्चित नाम यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का है। पंजाब-हरियाणा पुलिस ने ज्योति को 16 मई को अरेस्ट किया था। क्रकके हैंडलर दानिश से उसके करीबी रिश्ते थे। पाकिस्तान में वो क्रकके एजेंट्स से मिलती थी।जांच के दौरान पता चला कि पहलगाम अटैक से करीब दो महीने पहले ज्योति पहलगाम गई थी। दावा ये भी है कि ऑपरेशन सिंदूर से एक दिन पहले 6 मई को ज्योति दिल्ली में थी। अगले कुछ दिन वो दानिश के कॉन्टैक्ट में रही। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के हमले की वजह से किए गए ब्लैक आउट के वक्त भी वो अपने हैंडलर्स के संपर्क में रही। ज्योति मल्होत्राः हरियाणा की रहने वाली ज्योति पर सनसनीखेज आरोप है कि वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी से जुड़ी हुई थी। पुलिस जांच के अनुसार वह जनवरी में पहलगाम गई थी और वहां से गुप्त रास्ते से पाकिस्तान पहुंची। हालांकि उसका पहलगाम हमले से कोई संबंध है या नहीं, इसकी जांच जारी है।

इसके अलावा कैथल जिले के मस्तगढ़ गांव से पकड़ा गया देवेंद्र एक पूर्व सैन्यकर्मी का बेटा है। वह फेसबुक के माध्यम से एक पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में आया और 5 से 10 हजार रुपये के बदले सैन्य गोपनीय जानकारियां भेजता रहा। उसके पास से संवेदनशील नक्शे और दस्तावेज बरामद हुए हैं।शहजादः रामपुर, यूपी का निवासी शहजाद एक कारोबारी था, जो भारत-पाक के बीच कॉस्मेटिक और मसालों का व्यापार करता था।इसी आड़ में वह ISI के लिए भी काम कर रहा था। उसे मुरादाबाद से यूपी एटीएस ने गिरफ्तार किया। नोमान इलाहीः पानीपत से गिरफ्तार नोमान असल में एक 'डार्क वेब' जासूस था। पेशे से कंप्यूटर ऑपरेटर, लेकिन काम पाकिस्तान को भारतीय सेना की गतिविधियों की जानकारी भेजना। उसने स्वीकार किया है कि उसने वरइ ड्राइव और नकदी के बदले संवेदनशील डाटा डार्कनेट पर अपलोड किया।गजालाः पंजाब के मलेरकोटला से पकड़ी गई गजाला, पाकिस्तान का वीजा लगवाने के लिए अक्सर हाई कमिशन जाती थी। यह गतिविधि शक के घेरे में आई और उसकी गिरफ्तारी हुई। यमीन मोहम्मदः गजाला के साथ ही पकड़ा गया यमीन पाकिस्तान हाई कमिशन में कार्यरत दानिश नामक व्यक्ति के संपर्क में था। उन पर संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं।अरमानः हरियाणा के नूंह जिले से गिरफ्तार अरमान व्हाट्सएप के जरिए भारत की सैन्य गतिविधियों की जानकारी पाकिस्तान भेज रहा था। उस पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज हुआ है।मुर्तजा अलीः जालंधर में गुजरात पुलिस की छापेमारी में पकड़ा गया मुर्तजा क्रकके लिए खुद बनाए मोबाइल ऐप से जानकारी भेजता था। उसके पास से चार मोबाइल और तीन सिम कार्ड मिले। तारीफः नूंह से गिरफ्तार दूसरे व्यक्ति तारीफ ने पूछताछ में बताया कि वह पाकिस्तान हाई कमिशन के दो अधिकारियों के संपर्क में था। वे उसे सिम कार्ड देते थे और उसे सिरसा जाकर एयरपोर्ट की तस्वीरें भेजने के निर्देश मिले थे। नउमान इलाहीः पानीपत में 15 मई को गिरफ्तार 24 वर्षीय नौमान उत्तर प्रदेश के कैराना का निवासी है। वह एक फैक्ट्री में गार्ड था, लेकिन पाकिस्तान से कई बार संपर्क में था और संवेदनशील जानकारी भेजता था। करनबीर सिंहः गुरदासपुर में पकड़े गए करनबीर सिंह सीधे क्रकके संपर्क में था और पिछले कई दिनों से भारतीय सेना से जुड़ी जानकारी भेज रहा था। उस पर ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

वैसे यह जासूसी कांड में पकड़े गए भारतीय लोगों का पहला ग्रुप नहीं है । पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले भारतीयों की गिरफ्तारी के कई मामले उजागर हो चुके है ।2010 में इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग में सेवा देने वाली माधुरी गुप्ता नामक एक उच्च पदस्थ राजनयिक को पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया सेवा क्रकके लिए जासूसी के आरोप में हिरासत में लिया गया था। जैसे-जैसे मामला आगे बढ़ा, चौंकाने वाले विवरण सामने आए। उनकी गिरफ्तारी 26/11 के मुंबई हमलों के दो साल बाद हुई थी। ऑपइंडिया द्वारा प्राप्त अदालती रिकॉर्ड के अनुसार, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जुलाई 2010 में गुप्ता के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। गुप्ता ने कहा कि ईमेल पाकिस्तान से उनके संपर्क मुबशर रजा राणा द्वारा तैयार किया गया था, जो क्रक एजेंट के रूप में काम करता था। माधुरी गुप्ता का 2021 में निधन हो गया।2025ः 19 फरवरी को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने विशाखापत्तनम जासूसी मामले में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया था। पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) एजेंसी को संवेदनशील और वर्गीकृत नौसेना रक्षा जानकारी लीक के आरोप थे। वेथन लक्ष्मण टंडेल और अक्षय रवि नाइक को कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में पकड़ा गया, जबकि अभिलाष पी ए को केरल के कोच्चि में पकड़ा गया। एनआईए ने बताया कि तीनों संदिग्धों को सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के साथ संवाद करते हुए पाया गया। पैसे के लिए करवार और कोच्चि नौसैनिक ठिकानों पर भारतीय रक्षा सुविधाओं के बारे में संवेदनशील विवरणों का आदान-प्रदान किया गया। 2024ः आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) की गुजरात इकाई ने नवंबर 2024 में भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के जहाजों की तैनाती के बारे में संवेदनशील डेटा लीक करने के आरोप में एक संविदा कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। दीपेश तटरक्षक बल के जहाजों के बारे में विवरण प्रदान करने के लिए प्रतिदिन 200 रुपये कमाता था और उसे पाकिस्तान के एक एजेंट से 42 हजार रुपये मिले थे।2023ः पंजाब के भटिंडा के रहने वाले 25 वर्षीय अमृत पाल और गाजियाबाद के फरीदनगर में रहने वाले 36 वर्षीय रियाजुद्दीन को नवंबर 2023 में गैरकानूनी कार्यों में संलिप्तता पाये जाने के बाद गिरफ्तार किया गया। रविवार को, उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिनके बारे में माना जाता है कि वे पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के लिए जासूसी कर रहे थे। 2020ः राष्ट्रीय जांच एजेंसी, नौसेना खुफिया और आंध्र प्रदेश काउंटर इंटेलिजेंस ने जासूसी के आरोप में विभिन्न राज्यों के भारतीय नौसेना के 13 सदस्यों को हिरासत में लिया था। कथित तौर पर पाकिस्तानी हैंडलर के साथ जानकारी साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए भारतीय नौसेना के सदस्यों पर भारतीय नौसेना के बेहद संवेदनशील विवरणों को पाकिस्तानी खुफिया संचालकों (पीआईओ) को सौंपने का आरोप लगा था। 2019ः मार्च 2019 में राजस्थान पुलिस ने दिल्ली के 42 वर्षीय व्यक्ति मोहम्मद परवेज को ISI के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ़्तार किया था। मोहम्मद परवेज को पहले ही ठक्अ ने देश के खिलाफ कार्रवाई के लिए गिरफ़्तार किया था। परवेज ने कथित तौर पर भारतीय सेना के जवानों को हनी ट्रैप के लिए गलत पहचान का इस्तेमाल करके गुप्त और रणनीतिक डेटा प्राप्त करने के लिए लुभाया, फिर उसे क्रक को भेजा। इस काम के लिए उसे काफी पैसे मिले थे। 2019ः जनवरी 2019 में भारतीय सेना की मिलिट्री इंटेलिजेंस यूनिट ने अरुणाचल प्रदेश के किबिथू गांव में निर्मल राय नाम के एक व्यक्ति को पकड़ा था। निर्मल पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी क्रक को गोपनीय जानकारी देने का आरोप लगा था। निर्मल, अरुणाचल प्रदेश के अंतिम सीमावर्ती गांवों किबिथू और डिचू में सेना के साथ पोर्टर के तौर पर काम करता था। कहा जाता है कि वह क्रकके एक ऑपरेटिव के संपर्क में था। यह सब विस्तार से लिखने का कारण कि संभल के रहना अपने घर में छिपे हुए गद्दारों से,दूर हटा दो उस सबको जो प्यारी जंजीर काट रहे,दूर हटा दो उन सबको जो खून वतन का चाट रहे,वो सब है इस देश के दुश्मन जनता को जो डाट रहे,आजादी की नयी लता को छुरियो से चाट रहे,जागो लोगो जगा रहा है तुमको काल इशारो से,संभल के रहना अपने घर में छिपे हुए गद्दारों से,जागो तुमको बापू की जागीर की रक्षा करनी है,होशियार, तुमको अपने देश की रक्षा करनी है,आती है आवाज यही मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारो से,संभल के रहना अपने घर में छिपे हुए गद्दारों से।

धर्मो रक्षति रक्षितः की जीवंत मिसालः अहिल्या बाई होलकर

-सुरेश गांधी

भारतीय इतिहास में अनेक ऐसी विभूतियां हुई हैं जिन्होंने न केवल शासन किया, बल्कि संस्कृति, धर्म और लोककल्याण की मिसालें कायम कीं। मराठा साम्राज्य की प्रसिद्ध महारानी अहिल्या बाई होलकर उन गिने-चुने शासकों में से एक थीं, जिनके जीवन और शासन में वैदिक सूत्र ह्लधर्मो रक्षति रक्षितःह्ल (जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है) प्रत्यक्ष रूप से झलकता है। अहिल्या बाई का शासनकाल न केवल न्यायप्रियता और कुशल प्रशासन के लिए जाना जाता है, बल्कि उनकी धर्मनिष्ठा और सेवा भावना के लिए भी विख्यात रहा। या यूं कहे अहिल्याबाई होल्कर सिर्फ एक शासिका नहीं थीं, वे एक विचार थीं. सेवा का, न्याय का, और अध्यात्म का। उन्होंने दिखाया कि सच्चा नेतृत्व तलवार से नहीं, करुणा, धैर्य और धर्म से होता है। वे भारतीय इतिहास में नारी शक्ति की अमिट छवि हैं, जिनकी गाथा युगों तक सुनाई जाती रहेगी। शासन करते हुए अपने न्याय, करुणा और धर्मनिष्ठता से इतिहास में एक अनूठा स्थान प्राप्त किया। अहिल्याबाईआ होलकर, 17वीं शताब्दी की वह महिला थी, जिन्होंने किसी राजघराने में जन्म नहीं लिया था फिर भी एक दिन उनके हाथ में एक राज्य की सत्ता आई और न सिर्फ कई सालों तक शासन किया बल्कि आज भी उनका नाम सम्मान से लिया जाता है. उन्होंने देशभर में अनेक मंदिरों का निर्माण कराया, जिनमें काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, द्वारका, उज्जैन महाकालेश्वर जैसे तीर्थ स्थलों का पुनरुद्धार शामिल है। उनका राज्य धार्मिक सहिष्णुता, सामाजिक समरसता और आर्थिक समृद्धि का प्रतीक था। उन्होंने विधवाओं, निर्धनों, ब्राह्मणों और तीर्थयात्रियों के कल्याण हेतु योजनाएं बनाईं और हर वर्ग के लिए राज्य के द्वार खुले रखे। अहिल्या बाई ने अपने दरबार को धर्म और नीति के सिद्धांतों पर चलाया। वे स्वयं प्रजा की समस्याएं सुनतीं और निष्पक्ष न्याय देतीं। उनके निर्णय धर्मसंगत और समयानुकूल होते थे, जिससे वे जन-न्याय की आदर्श शासक बनीं।

उस विशाल और विराट व्यक्तित्व के प्रति भारत की सनातन धर्म की पवित्र परंपरा ने उन्हें ह्लपुण्यश्लोकह्ल के रूप में सादर नमन करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है। हर साल की तरह इस बार भी 31 मई को महारानी अहिल्याबाई होलकर की जयंती है. लेकिन इस बार भाजपा ने उनकी जयंती के मौके को खास बनाने की तैयारी की है। पार्टी 21 से 31 मई तक देशभर में ह्लअहिल्याबाई होल्कर स्मृति अभियानह्ल चलाएगी। अभियान के दौरान बैठकें, गोष्ठियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रमों का उद्देश्य रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन दर्शन, सांस्कृतिक पुनरुद्धार में योगदान तथा महिला सशक्तिकरण की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। जयंती वर्ष के दौरान महिला सशक्तिकरण पर विशेष फोकस रहेगा। छात्राओं के लिए विद्यालयों और महाविद्यालयों में दौड़, भाषण, निबंध, रंगोली व चित्रकला प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। रानी अहिल्याबाई के जीवन पर आधारित संगोष्ठियाँ भी आयोजित होंगी। काशी के जिन घाटों और मंदिरों का जीर्णोद्धार रानी अहिल्याबाई ने कराया था, वहां विशेष आरती का आयोजन होगा। खास यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर में उनकी प्रतिमा की स्थापना करते हुए उन्हें प्राचीनता और आधुनिकता का संगम बताया था। उन्होंने कहा था कि काशी से लेकर सोमनाथ तक जिन तीर्थों का जीर्णोद्धार अहिल्याबाई ने कराया, वह आज देश के लिए प्रेरणा है। राजश्री से राजर्षि तक की यात्रा महारानी अहिल्याबाई होलकर का व्यक्तित्व व कृतित्व उन्हें विश्व की श्रेष्ठतम महिलाओं की पंक्ति में अग्रणी बनाता है। भारत के इतिहास और जनमानस पर उनका विशेष प्रभाव रहा है। महारानी का जीवन एवं शासन शैली संवेदनशील, सादगी, सहजता, धर्मनिष्ठ, न्यायप्रिय एवं लोक कल्याणकारी थीं। इन्हीं गुणों के कारण उनकी प्रजा उन्हें सदैव लोकमाता के रूप में देखती थी। उनके अप्रतिम गुणों को देखकर ब्रिटिश इतिहासकार जॉन केयस ने उन्हें दार्शनिक रानी की उपाधि दी। वह सभी धर्मों का सम्मान करती थीं और विद्वानों को संरक्षण देती थीं। नारी सशक्तिकरण की मिसाल बनी, विधवाओं के लिए सुरक्षित आवास, महिलाओं को संपत्ति अधिकार, लड़कियों की शिक्षा को समर्थन, साहित्य और कला को बढ़ावा, संस्कृत और मराठी के कवियों को संरक्षण, मंदिरों में संगीत, भजन, और कीर्तन की परंपरा को प्रोत्साहन आदि कार्य उन्होंने किया था।

12 साल की उम्र में उन्हें मालवा की

महारानी का ताज पहनाया गया

अहिल्याबाई होल्कर का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर में हुआ था, जिसका नाम अब अहिल्याबाई नगर कर दिया गया है। जिस वक्त महिलाएं विद्यालय नहीं जाती थीं, उस वक्त

जब इतिहास की पुस्तकों में वीरों की गाथाएं गायी जाती हैं, तब कुछ ऐसे नाम भी उभरते हैं जो तलवार से नहीं, अपने सेवा, करुणा और न्यायप्रियता से दिल जीत लेते हैं। अहिल्याबाई होल्कर ऐसी ही एक महान शासिका थीं, जिन्होंने 18वीं शताब्दी में नारी नेतृत्व की नई परिभाषा गढ़ी। अहिल्याबाई होल्कर न केवल एक कुशल शासिका थीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की एक जीती-जागती मिसाल थीं। उन्होंने धर्म, संस्कृति, सेवा, न्याय और करुणा के माध्यम से नारी नेतृत्व की एक प्रेरणादायक छवि प्रस्तुत की। आज भी उन्हें इतिहास की सबसे महान और आदर्श शासिकाओं में गिना जाता है. अहिल्या बाई होलकर का जीवन इस बात का प्रमाण है कि जब कोई शासक धर्म, न्याय और लोककल्याण को सर्वोपरि रखता है, तो न केवल उसका राज्य समृद्ध होता है, बल्कि उसका नाम युगों तक श्रद्धा से लिया जाता है। रानी अहिल्याबाई ने उस काल में देश के धार्मिक स्थलों की पुनर्स्थापना कर धर्मो रक्षति रक्षितः की वैदिक भावना को एक जीवंत दर्शन बना दिया। उनका जीवन आज भी समाज को प्रेरणा देता है

उनके पिता ने उन्हें स्कूल भेजा। सूबेदार मल्हारराव होल्कर जब एक मंदिर पहुंचे थे तब उन्होंने अहिल्याबाई होल्कर को देखा था। अहिल्या किसी राजघराने से संबंध नहीं रखती थीं लेकिन उनके तेज को देखकर मल्हारराव ने अपने पुत्र खंडेराव से उनकी शादी करवाई। मल्हारराव अपनी बहु को भी राज-काज की चीजें सीखाते रहते थे। अहिल्याबाई होल्कर के पति खांडेराव होलकर 1754 में हुए कुम्भेर के युद्ध में शहीद हो गए थे। इसके 12 साल बाद ही ससुर मल्हार राव होलकर का भी निधन हो गया। इसके बाद अहिल्याबाई को मालवा की महारानी का ताज पहनाया गया। जब राज्य का कार्यभार संभाला तो उस समय राज्य की स्थिति काफी नाजुक थी। चोर और डाकुओ का आतंक था, राज्य की कानून व्यवस्था संभालना उनके लिए प्रथम कार्य था, साथ ही राज्य की आय को भी बढ़ाना था। अहिल्या बाई ने महेश्वर को अपना मुख्यालय बनाया पर वे इंदौर को नहीं भूली थी। इंदौर का इस्तेमाल सैनिक छावनी के रूप में होता था। देवी अहिल्या बाई ने अपना संपूर्ण राज्य शिव को समर्पित कर उनकी संरक्षिता बन कर राज किया था। अपने जीवनकाल में ही इन्हें जनता ह्यदेवीह्ल समझने और कहने लगी थी. 13 अगस्त 1795 को 70 वर्ष की आयु में अहिल्याबाई की मृत्यु हो गई थी. अहिल्याबाई होल्कर ने साल 1767 से लेकर सन 1795 तक मराठा साम्राज्य की कमान संभाली थी। उन्होंने अपने 28 वर्ष के शासन काल के दौरान कई वर्षों तक मुगलों और अन्य दुश्मनों से अपने साम्राज्य की रक्षा की। वह खुद भी अपनी सेना के साथ युद्ध लड़ने जाया करती थीं। उन्होंन बेहतरीन तरीके से राज्य का संचालन किया। उन्होंने महेश्वर को अपनी राजधानी बनाई थी। समाज सुधार में अपनी एक महत्वपूर्ण छाप बनाने वाली अहिल्याबाई होलकर ने अपने शासनकाल में कई कठिनाईयों का सामना भी किया। किसी राजा या रानी के इतने लंबे समय के बाद याद करने के विरले ही उदाहरण होंगे। ब्रिटिश प्रशासक और अंग्रेज अधिकारी सर जॉन मालकम ने मालवा के इतिहास पर कार्य किया था, उन्होंने देवी अहिल्या बाई को होल्कर राजवंश की श्रेष्टतम शासिका के रूप में उल्लेखित किया है।

अध्यात्म और धार्मिक सेवा की प्रतीक

देवी अहिल्या बाई द्वारा अपने कार्यकाल में देशभर में 8527 धार्मिक स्थल, 920 मस्जिदों और दरगाह, 39 राजकीय अनाथालय का निर्माण कराया। साथ ही उनके कार्यकाल में धर्मशालाओं, नर्मदा किनारे, देश में प्रमुख धर्मस्थलों पर नदियों किनारे के घाटों, कुंए, तालाब, बाबड़ियों और गोशालाओं (उस समय इसे पिंजरापोल कहा जाता था) के निर्माण में आर्थिक मदद दी गई थी। अहिल्या बाई के कार्यकाल में होल्कर राजवंश में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में उनके द्वारा कार्य किए गए, जिनकी फेहरिस्त लंबी है। इसके अलावा भारत के ऐसे तमाम मंदिर जिन्हें कभी मुगलों ने तबाह कर दिया था उन्हें वापस से बनवाने का श्रेय अहिल्याबाई होल्कर को ही जाता है। उन्होंने अपने राज में काशी के विश्वनाथ मंदिर, गुजरात के सोमनाथ मंदिर समेत देश के विभिन्न हिस्सों में मंदिरों का पुनर्निर्माण करवाया। 17वीं शताब्दी के अंत में काशी में गंगा किनारे मणिकर्णिका घाट का निर्माण करवाने का श्रेय भी अहिल्याबाई होल्कर को ही जाता है। मांडू में नीलकंठ महादेव मंदिर भी उन्हीं की देन है। इसके अलावा उन्होंने देश के ज्यादातर जरूरी जगहों पर भोजनालय और विश्रामगृह आदि की स्थापना करवाई थी। उन्होंने कलकत्ता से बनारस तक की सड़क का भी निर्माण करवाया था। अहिल्याबाई होल्कर जी ने सत्ता संभालने के बाद बहुत ही स्पष्ट उद्घोषणा की थी कि मेरा पथ धर्म का पथ है, धर्म का पथ ही न्याय का पथ है। न्याय का पथ हमें सर्वशक्तिमान और समर्थ बनाने में सहायक हो सकता है और उसी भाव के साथ उन्होंने उस कालखंड में सनातन धर्म की पुनर्स्थापना में अपना योगदान दिया था। होल्कर वंश के प्रथम शासक मल्हारराव ने प्रथम पेशवा बाजीराव से आग्रह किया था की मेरी पत्नी को कुछ जागीर प्रदान की जाए, उन्होंने उनकी पत्नी गौतमा बाई को खासगी (राज्य के कुछ गांवों से कर वसूली और रानियों को दी जाने वाली राशि, व्यक्तिगत संपत्ति) प्रदान की जिससे उन्हें आय होने लगी थी। 20 जनवरी 1734 के एक पत्र अनुसार गौतमाबाई को खासगी से आरम्भ में आमदनी 2 लाख 99 हजार 10 रुपए हुई थी। गौतमाबाई के निधन के बाद खासगी की आय का काम अहिल्या बाई देखती थीं। खासगी की अधिकांश आय का व्यय धार्मिक कार्यों पर होता था। यह खासगी ट्रस्ट आज की कायम है जो धार्मिक स्थलों की व्यवस्था देखता है। उनके शिव के प्रति स्नेह और आदर भाव का पूर्ण ध्यान रखा गया। नर्मदा किनारे उन्होंने घाटों का निर्माण करवाया, उन्होंने देश भर के विद्वानों को महेश्वर में स्थाई रूप से बसाया और उन्हें वंशानुगत जागीरें भी प्रदान की थी। अहिल्या बाई ने संपूर्ण देश के विद्वानों को महेश्वर में नर्मदा तट पर संरक्षण दिया जिनमें मल्हार भट्ट मुल्ये, जानोबा पुराणिक, रामचंद्र रानाडे, काशीनाथ शास्त्री, दामोदर शास्त्री, निहिल भट्ट, भैया शास्त्री, मनोहर बर्वे, गणेश भट्ट, त्रियम्बक भट्ट, महंत सुजान गिरी गोसावी, हरिदास आनंद राम प्रमुख थे।

न्याय देवी थी अहिल्याबाई

उन्हें न्याय की देवी भी कहा जाता था। कहते है एक बार जब अहिल्याबाई के बेटे मालोजीराव अपने रथ से सवार होकर राजबाड़ा के पास से गुजर रहे थे। उसी दौरान मार्ग के किनारे गाय का छोटा-सा बछड़ा भी खड़ा था। जैसे ही मालोराव का रथ वहां से गुजरा अचानक कूदता-फांदता बछड़ा रथ की चपेट में आ गया और बुरी तरह घायल हो गया। थोड़ी देर में तड़प-तड़प कर उसकी वहीं मौत हो गई। इस घटना को नजरअंदाज कर मालोजीराव आगे बढ़ गए। इसके बाद गाय अपने बछड़े की मौत पर वहीं बैठ गई। वो अपने बछड़े को नहीं छोड़ रही थी। कुछ ही समय बाद वहां से अहिल्याबाई भी वहां से गुजर रही थी। तभी उन्होंने बछड़े के पास बैठी हुई एक गाय को देखा, तो रुक गईं। उन्हें जानकारी दी गई। कैसे मौत हुई कोई बताने को तैयार नहीं था। अंततः किसी ने डरते हुए उन्हें बताया कि मालोजी के रथ की चपेट में बछड़ा मर गया। यह घटनाक्रम जानने के बाद अहिल्या ने दरबार में मालोजी की धर्मपत्नी मेनाबाई को बुलाकर पूछा कि यदि कोई व्यक्ति किसी की मां के सामने उसके बेटे का कत्ल कर दे तो उसे क्या दंड देना चाहिए? मेनाबाई ने तुरंत जवाब दिया कि उसे मृत्युदंड देना चाहिए। इसके बाद अहिल्याबाई ने आदेश दिया कि उनके बेटे मालोजीराव के हाथ-पैर बांध दिए जाएं और उन्हें उसी प्रकार से रथ से कुचलकर मृत्यु दंड दिया जाए, जिस प्रकार गाय के बछड़े की मौत हुई थी। इस आदेश के बाद कोई भी व्यक्ति उस रथ का सारथी बनने को तैयार नहीं था। जब कोई भी उस रथ की लगाम नहीं थाम रहा था तब अहिल्याबाई खुद आकर रथ पर बैठ गईं। वो जब रथ आगे बढ़ा रही थी, तब एक ऐसी घटना हुई, जिसने सभी को हैरान कर दिया। वही गाय रथ के सामने आकर खड़ी हो गई थी। जब अहिल्याबाई के आदेश के बाद उस गाय को हटाया जाता तो वो बार-बार रथ के सामने आकर खड़ी हो जाती। यह देश दरबारी मंत्रियों ने महारानी से आग्रह किया कि यह गाय भी नहीं चाहती है कि किसी और मां के बेटे के साथ ऐसी घटना हो। इसलिए यह गाय भी दया करने की मांग कर रही है। गाय अपनी जगह पर रही और रथ वहीं पर अड़ा रहा। राजबाड़ा के पास जिस स्थान पर यह घटना हुई थी, उस जगह को आज सभी लोग ह्यआड़ा बाजारह्ल के नाम से जानते है।

शिव का आदेश माना जाता था

होलकर राज्य की निशानी और देवी अहिल्याबाई के शासन में बनवाई गईं चांदी की दुर्लभ मुहरें अब भी मल्हार मार्तंड मंदिर के गर्भगृह में रखी हुई हैं। इन मोहरों का उपयोग अहिल्या के समय में होता था। अहिल्या के आदेश देने के बाद मुहर लगाई जाती थी, आदेश पत्र शिव का आदेश ही माना जाता था। छोटी-बड़ी चार तरह की मुहरें अब भी मंदिर में सुरक्षित हैं।

यूनिफाइड डेटा - टेक सॉल्यूशंस का आईपीओ 22 मई को खुलेगा

मुंबई। 2010 में स्थापित, यूनिफाइड डेटा - टेक सॉल्यूशंस डेटा सेंटर इन्फ्रास्ट्रक्चर, वर्चुअलाइजेशन, डेटा प्रोटेक्शन, नेटवर्किंग, साइबर सुरक्षा, सुरक्षित एप्लीकेशन डिलीवरी आदि सहित कई आईटी सलूशन प्रदान करती है। कंपनी अपनी इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के लिए तैयार है, जिसमें 144.47 करोड़ रुपये जुटाने और ऑफर फॉर सेल के माध्यम से 52,92,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री की योजना है। हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड यूनिफाइड डाटा-टेक आईपीओ का बुक-रनिंग लीड मैनेजर है, और केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है। आईपीओ के लिए मार्केट मेकर हेम फिनलीज प्राइवेट लिमिटेड है। अपने एसएमई इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के लिए, यूनिफाइड डेटा-टेक सॉल्यूशंस ने 260 रुपये से 273 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। कंपनी के शेयर 22 मई, 2025 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे और 26 मई, 2025 को बंद होंगे। इन्हें बीएसई एसएमई पर लिस्ट किया जाएगा, जिसकी अनुमानित लिस्टिंग तिथि गुरुवार, 29 मई, 2025 है। मंगलवार, 27 मई, 2025 को यूनिफाइड डेटा-टेक सॉल्यूशंस आईपीओ के लिए शेयर आवंटित किए जाने की उम्मीद है, और बुधवार, 28 मई, 2025 को शेयर आवंटियों के डीमैट खाते में जमा किए जाएंगे। आईपीओ में क्यूआईबी के लिए नेट इश्यू का 50% से अधिक नहीं, रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 35% से कम नहीं और एनआईआई सेगमेंट के लिए नेट इश्यू का 15% से कम नहीं शामिल है। रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए आवेदन के लिए न्यूनतम लॉट साइज 400 शेयर है और उसके लिए न्यूनतम 1,09,200 रुपये का योगदान करना होगा। एचएनआई के लिए, न्यूनतम बिड साइज दो लॉट या 800 शेयर है, जो अपर प्राइस बैंड पर 2,18,400 लाख रुपये के कुल निवेश के लिए है। यूनिफाइड डेटा-टेक आईपीओ की मार्केट कैपिटल 548.46 करोड़ रुपये है। 28 फरवरी 2025 को समाप्त अवधि के लिए रेवन्यू 194.59 करोड़ रुपये और पैट (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) 31.68 करोड़ रुपये रहा। उडटेक एक टेक्नोलॉजी कंपनी है जो सिस्टम इंटरग्रेशन में विशेषज्ञता रखती है और आईटी डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर और क्लाउड जरूरतों से संबंधित प्रिडक्ट्स और सर्विसेज के लिए वन स्टॉप सलूशन प्रदान करती है। कर्मचारी के पास डेटा सिक्योरिटी, डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड स्टोरेज और वर्चुअल सर्वर आदि में आईबीएम, वेरिटास, डेल और फोर्टिनेट सहित ओईएम पार्टनर्स से 310+ सर्टिफिकेशन या बैज हैं। कंपनी का प्रबंधन प्रमोटरों - हिरेन राजेंद्र मेहता, राजेंद्र कांतिलाल मेहता द्वारा किया जाता है। हिरेन राजेंद्र मेहता (चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर) को आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज और सिस्टम इंटीग्रेशन, लीडिंग स्ट्रेटेजी और एक्सक्यूशन में 27 वर्षों का अनुभव है।

ट्रक्सअप ने फाइनैंस सुविधाओं को सुलभ बनाने के लिए श्रीराम फाइनैंस लिमिटेड के साथ की साझेदारी

मुंबई। लॉजिस्टिक्स फाइनैंशियल परिवेश में बदलाव लाने के प्रयास में गुरूग्राम के एफटीएल एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म ट्रक्सअप ने भारत के सबसे बड़े एनबीएफसी में से एक श्रीराम फाइनैंस लिमिटेड के साथ संयुक्त उद्यम में प्रवेश किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य ट्रांसपोर्टर्स, फ्लीट मालिकों एवं कारोबारों को फाइनैंशियल प्रोडक्ट्स की व्यापक रेंज के साथ सशक्त बनाना है। इन प्रोडक्ट्स में व्हीकल लोन, बिजनेस लोन, प्रॉपर्टी पर लोन, पर्सनल लोन और गोल्ड लोन शामिल हैं। इस साझेदारी के तहत ट्रक्सअप के यूजर श्रीराम फाइनैंस लिमिटेड की फाइनैंशियल सर्विसेज तथा देश भर में इसके व्यापक कन्ज्यूमर नेटवर्क (विशेष रूप से टियर 2 एवं टियर 3 शहरों में) का लाभ उठा सकेंगे। उद्योग जगत के दो दिग्गजों के बीच यह साझेदारी न सिर्फ फाइनैंस के आसान एवं तीव्र समाधान उपलब्ध कराएगी बल्कि उपभोक्ताओं के साथ मजबूत रिश्ते बनाकर लॉजिस्टिक्स सेक्टर में उनके विकास एवं स्थिरता को भी सुनिश्चित करेगी। लॉजिस्टिक्स उद्योग लम्बे समय से फाइनैंस के प्रत्यास्थ विकल्पों की कमी से जूझ रहा है, जिसे समय पर ये सेवाएं नहीं मिल पातीं। ट्रक्सअप और श्रीराम फाइनैंस लिमिटेड के बीच यह साझेदारी लॉजिस्टिक्स कारोबारों की आवश्यकतानुसार फाइनैंशियल प्रोडक्ट लेकर आएगी। इससे उनके लिए वाहन की खरीद से लेकर कारोबार को बढ़ाना तक, बहुत कुछ आसान हो जाएगा। इस तरह फाइनैंस सुविधाओं का लाभ उठाकर छोटे कारोबार और उद्यमी अधिक सशक्त बन सकेंगे, जो देश के लॉजिस्टिक्स नेटवर्क की रीढ़ हैं। ट्रक्सअप के सह-संस्थापक श्री सार्थक एलावादी ने कहा, श्रीराम फाइनैंस लिमिटेड के साथ साझेदारी करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। यह साझेदारी लॉजिस्टिक्स सेक्टर में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ट्रांसपोर्टरों एवं फ्लीट मालिकों को फाइनैंस के आसान विकल्प उपलब्ध कराकर हम देश के लॉजिस्टिक्स कारोबार के विकास एवं स्थायित्व को गति प्रदान करना चाहते हैं। हमें विश्वास है कि श्रीराम फाइनैंस लिमिटेड की भरोसेमंद मौजूदगी एवं विशेषज्ञता के साथ यह साझेदारी हमारे उपभोक्ताओं के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी। श्रीराम फाइनैंस के संयुक्त प्रबन्ध निदेशक श्री नीलेश एस ओडेदरा ने कहा, इस संयुक्त उद्यम के लिए ट्रक्स अप के साथ हाथ मिलाते हुए श्रीराम फाइनैंस लिमिटेड को बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। हम इस बात को समझते हैं कि लॉजिस्टिक्स सेक्टर भारत के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी के मद्देनजर हम उनके विस्तार के लिए फाइनैंशियल सुविधाओं को सुलभ बनाना चाहते हैं। ट्रक्सअप के आधुनिक प्लेटफॉर्म और हमारी व्यापक पहुंच (खासतौर पर टियर 2 और टियर 3 शहरों में) का लाभ उठाकर हम ऐसे फाइनैंशियल समाधान लेकर आते हैं जो लॉजिस्टिक्स कारोबारों की जरूरतों को पूरा कर सकें। देश भर में हमारे उपभोक्ताओं के साथ जुड़कर उन्हें सफल एवं सशक्त बनाने में योगदान दे सकें।

श्रीराम फार्म सोल्युशन्स ने 2024 में नए लॉन्च किए गए स्पेशलटी प्लांट न्यूट्रिशन प्रोडक्ट्स

मुंबई/गया। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के एक प्रभाग श्रीराम फार्म सोल्युशन्स ने हाल ही में लॉन्च किए गए नए दौर के स्पेशलटी प्लांट न्यूट्रिशन एवं प्रोटेक्शन तथा सीड प्रोडक्ट्स के साथ किसानों को मिली सफलता पर रोशनी डाली। कार्यक्रम का आयोजन होटल रेनड्यू, रांची, झारखण्ड में किया गया था, जहां क्षेत्र के चैनल पार्टनर्स इन आधुनिक समाधानों के उद्घाटन के अवसर पर इकट्ठा हुए। इतना ही नहीं, 80 से अधिक डिस्ट्रब्यूटर्स को श्रीराम सुपर पैडी सीड स्कीम के लिए भव्य पुरस्कार समारोह आयोजन में शामिल होने का अवसर भी मिला।

स्पेशलटी प्लांट न्युट्रिशन (एसपीएन) सेगमेन्ट की बात करें तो श्रीराम फार्म सोल्युशन्स ने हाल ही में श्रीराम प्रोटोबज प्लस का लॉन्च किया था, इस रेवोल्युशनरी प्रोडक्ट को यूएस की पेटेंटेड डिलीवरी टेक्नोलॉजी नैनो लिक्विड टेक्नोलॉजी से बनाया गया है। अपने शानदार परफोर्मेन्स के चलते श्रीराम प्रोटोबज प्लस तथा श्रीराम स्प्रेइट वैजीटेबल एवं श्रीराम रेप्रोजिन को हजारों किसानों एवं चैनल पार्टनर्स ने खूब पसंद किया है। पिछले साल बाजार में उतारे गए आधुनिक कीटनाशक जैसे श्रीराम ट्रेक्स्टर और श्रीराम क्रोन की सफलता की कहानियां बताते हुए चैनल पार्टनर्स बेहद उत्सुक दिखाई दिखाई दिए। साथ ही श्रीराम सायशो के प्री-कमर्शियलाइजेशन ट्रायल्स को लेकर भी उनमें काफी उत्साह दिखाई दिया।

पालघर जिलाधिकारी कार्यालय को बम से उड़ाने की मिली धमकी

सुरक्षा के मद्देनजर परिसर खाली कराया गया

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। मंगलवार 20 मई 2025 को सुबह पालघर जिला मुख्यालय अंतर्गत स्थित के जिलाधिकारी कार्यालय में उस समय हड़कंप मच गया जब एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा भेजे गए ईमेल आईडी के जरिए बम विस्फोट की धमकी मिली। अज्ञात व्यक्ति द्वारा भेजे गए ईमेल में कार्यालय परिसर में बम रखने की बात कही गई थी। सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से जिलाधिकारी कार्यालय सहित आस-पास के सभी सरकारी भवनों को खाली करा लिया।

मिली जानकारी के अनुसार यह धमकी भरा ईमेल सीधे पुलिस को सौंप दिया गया है और पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। जिलाधिकारी कार्यालय के साथ-साथ प्रशासनिक भवन 'अ' और 'ब' को भी सुरक्षा कारणों से खाली कराया गया है। पुलिस बल और बम निरोधक दस्ते ने पूरे परिसर की गहन तलाशी ली, हालांकि समाचार लिखे जाने तक कोई विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई है। इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने परिसर की घेराबंदी कर दी है और सायबर सेल की मदद से धमकी देने वाले की पहचान की जा रही है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को दें। साथ ही किसी भी तरह की अफवाह से बचें और अफवाहें फैलाने से परहेज करें। यह घटना प्रशासन के लिए एक चुनौती बनकर सामने आई है।

लिवप्योर का शानदार प्रदर्शन

मुंबई। उपभोक्ताओं की भलाई को समर्पित भारत के भरोसेमंद और अग्रणी ब्रांड लिवप्योर ने अपने अप्लायंस और सर्विस बिजनेस में बीते साल की तुलना में 39% राजस्व वृद्धि दर्ज की है। यह उल्लेखनीय सफलता उपभोक्ताओं की मजबूत मांग, उत्पादों की विस्तृत रेंज और गहरी बाजार पहुंच के चलते संभव हुई है। कंपनी के शानदार प्रदर्शन से एबिटा में 389% की जबरदस्त वृद्धि देखने को मिली है, जो लिवप्योर के व्यवसाय में व्यापक बदलाव और मजबूती का संकेत है। लिवप्योर का यह उत्कृष्ट प्रदर्शन उत्पाद श्रेणियों और वितरण चैनलों दोनों में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। वाटर प्यूरीफायर्स में 17%, किचन अप्लायंसेज में 248% और एयर कूलर्स में 100% की वृद्धि दर्ज हुई। जनरल ट्रेड में 55%, मॉडर्न ट्रेड में 66%, ई-कॉमर्स में 44% और कंपनी के नवोन्मेषी वॉटर-एज-ए-सर्विस (डब्लूएएएस) मॉडल में 49% की वृद्धि दर्ज की गई।

कंपनी की इस प्रगति में निवेश की बड़ी भूमिका रही। लिवप्योर ने एमएन्डजी इन्वेस्टमेंट्स से 208 करोड़ रुपये और एनक्यूबेट कैपिटल पार्टनर्स से 25 करोड़ रुपये का निवेश हासिल किया। इस रणनीतिक फंडिंग से लिवप्योर को नई श्रेणियों में विस्तार, नवाचार को बढ़ावा देने और होम वेलनेस क्षेत्र में बेहतर उपभोक्ता अनुभव उपलब्ध कराने में मदद मिली है।

लिवप्योर के प्रबंध निदेशक राकेश कौल ने कहा, ह्लएबिटा में 389% की वृद्धि और 39% का राजस्व विस्तार सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि यह लिवप्योर के परिवर्तन की गवाही देते हैं। हमने नवाचार, भरोसे और दीर्घकालिक मूल्य को केंद्र में रखकर होम वेलनेस ब्रांड की परिभाषा ही बदल दी है।

महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस मंत्रिमंडल का विस्तार, छगन भुजबल ने ली मंत्रीपद की शपथ

मुंबई। महाराष्ट्र में महायुति सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया है। महाराष्ट्र में मंगलवार को मंत्रिमंडल विस्तार के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस मंत्रिमंडल विस्तार में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अजित गुट के दिग्गज नेता छगल भुजबल ने मंत्री पद की शपथ ली है।

एनसीपी के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने मुंबई में राजभवन में महायुति के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में उन्होंने मंत्री पद की शपथ ली है। शपथ ग्रहण समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन भी मौजूद रहे। राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने छगन भुजबल को मंत्रिपद की शपथ दिलाई। वहीं इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और राकांपा प्रमुख अजित पवार भी मौजूद थे। उनके अलावा महायुति सरकार के अन्य प्रमुख मंत्री भी उपस्थित थे।

इस दौरान एकनाथ शिंदे ने कहा कि छगन भुजबल पहले भी मंत्री रह चुके हैं और उनके अनुभव से महाराष्ट्र सरकार को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि सीएम फडणवीस दिग्गज नेता के लिए पोर्टफोलियो तय करेंगे। उपमुख्यमंत्री ने आगे बताया कि भुजबल ने अपना राजनीतिक जीवन शिवसेना से शुरू किया था और वह बाल ठाकरे के शिव सैनिक थे।उन्होंने कई विभागों का नेतृत्व किया है। वे एक अनुभवी मंत्री हैं। वे बालासाहेब ठाकरे के शिव सैनिक भी हैं। उन्होंने शिवसेना से शुरूआत की। वे पार्षद, महापौर से शुरू हुए और विधायक और मंत्री बने। उन्होंने कई पदों पर काम किया है। आज उन्होंने फिर से शपथ ली है। मैं उन्हें बधाई देना चाहता हूं।

अनुश्री फाउंडेशन द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित, 135 लोगों ने शिविर का उठाया लाभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर के समीप पास्थल ग्राम पंचायत अंतर्गत स्थित आत्मशक्ति नगर में अनुश्री फाउंडेशन के तत्वावधान में सफल मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में क्षेत्र के 135 से अधिक लोगों ने भाग लिया और विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य परीक्षणों का लाभ उठाया। इन्फिगो आई चेकअप सेंटर की ओर से शिविर में प्रमुख रूप से आंखों की जांच, चश्मों का वितरण और दांतों की जांच की गई। नेत्र विशेषज्ञ डॉ. गीत राजू ने आंखों की जांच की और आवश्यकतानुसार आंखों की दवाइयों व ड्रॉप्स का वितरण किया। वहीं दंत चिकित्सक डॉ. सुप्रिया जायसवाल ने दांतों की जांच कर उचित परामर्श और दवाइयां प्रदान कीं। आई चेकअप टीम ने आधुनिक मशीनों की सहायता से आंखों की जांच की और कई लोगों को उनके अनुसार चश्मे भी प्रदान किए। इसके अतिरिक्त ₹सोसाइटी फॉर ह्यूमन एंड एनवायरमेंटल डेवलपमेंट, बोईसर₹ की ओर से ब्लड टेस्ट, हीमोग्लोबिन, शुगर, एचआईवी, बीपी और वजन आदि की भी जांच की गई। शिविर में खांसी, बुखार, दर्द और कैल्शियम की गोलियों समेत आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। इसके साथ ही सभी लोगों को बिस्किट और पेस्ट भी दिए गए। यह विशेष वितरण डॉ. अनुराग तिवारी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में किया गया। इस शिविर के सफल संचालन में डॉ. गीता राजू और डॉ. सुप्रिया जायसवाल का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में अनुश्री फाउंडेशन की सचिव पुष्पा तिवारी ने सभी चिकित्सकों, सदस्यों और सहयोगियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उमेश सोनार ने सभी आगंतुकों का स्वागत पौधा भेंट कर किया, जो पर्यावरण संरक्षण के संदेश का प्रतीक बना। इस अवसर पर सोसाइटी फॉर ह्यूमन एंड एनवायरमेंटल डेवलपमेंट, बोईसर तथा महाराष्ट्र राज्य एड्स नियंत्रण संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर भीमराव घरत, डॉ. चंद्रकांत भावे, समुपदेशक राजेंद्र संखे, ओ.आर.डबल्यू. रविंद्र वझे, जयेश पाटील, जान्हवी पाटील व रश्मि संखे, अनुश्री फाउंडेशन के अध्यक्ष राकेश तिवारी, सचिव पुष्पा तिवारी, सदस्य ज्ञानमती निषाद, साधना उपाध्याय, रेनू पांडे, मिथुन चक्रवर्ती आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

भारतीय सेना के सम्मान में दहिसर में आयोजित की गई तिरंगा यात्रा

पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी की विशेष उपस्थिति में भव्य आयोजन

दहिसर, मुंबई (उत्तरशक्ति)। ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद जांबाज भारतीय सेना के सम्मान में दहिसर विधानसभा की विधायक मनिषाताई चौधरी द्वारा भव्य ₹तिरंगा यात्रा₹ का आयोजन किया गया। इस आयोजन में एन एल कॉम्प्लेक्स, दहिसर-पूर्व में उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी भी सम्मिलित हुए। उन्होंने इस अवसर पर सेना के अधिकारियों को सम्मानित किया। इस तिरंगा यात्रा में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ विधायक मनिषा ताई चौधरी, उत्तर मुम्बई के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष दीपक उर्फ बाला तावड़े, पूर्व जिलाध्यक्ष गणेश खणकर , मधुसूदन सुर्वे (शौर्यचक्र विजेता), मंगेश नाईक (राष्ट्रपती पुलिस पदक विजेता), गोरक्ष घुगे, दिनेश मिश्रा (भारतीय सेना-श्रीनगर) तथा भाजपा के सभी मंडल और वॉर्ड अध्यक्ष, पदाधिकारी व कार्यकताओं सहित असंख्य दहिसर-बोरिवलीकर नागरिक उपस्थित रहे।

नालासोपारा पूर्व में 'तिरंगा यात्रा' के माध्यम से भारतीय सेना को सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगांव में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की वीरता को सलाम करते हुए, नालासोपारा (पूर्व) के गालानगर ओसवाल नगरी में एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा का उद्देश्य भारतीय सैनिकों की बहादुरी, बलिदान और देशभक्ति को जन-जन तक पहुंचाना और यह संदेश देना था कि पूरा देश भारतीय सेना के साथ खड़ा है। तिरंगा यात्रा में हजारों नागरिकों ने भाग लिया और सैनिकों की वीरता को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, 132 नालासोपारा विधानसभा के विधायक राजन नाइक, तथा क्षेत्र के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह यात्रा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि देशभक्ति, एकता और सेना के प्रति कृतज्ञता की सजीव मिसाल बनी।

सपनो का पीछा करें, राष्ट्र के लिए खेलें मुंबई चैंपियंस लीग 2025

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई चैंपियंस लीग में 12 वर्ष के 4 टीमे ग्राउंड तिलक नगर चेंबर में खेलेगी और 14 वर्ष के 8 टीमे ग्राउंड वेस्टर्न रेलवे क्रॉस मैदान में खेलेगी।

यह बच्चों के लिए क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, मुंबई चैंपियंस लीग के द्वारा यह प्रतियोगिता सम्माननीय रोहित बाला जी के द्वारा आयोजित किया गया है। यह प्रतियोगिता 21 मई से शुरू होते हुए 6 जून तक खेला जाएगा। यह प्रतियोगिता बच्चों का मनोबल एवं उनका आत्मविश्वास उनकी क्षमता को दर्शाएगी, इस प्रतियोगिता में 14 वर्ष और 12 वर्ष से छोटे बच्चे भाग लेंगे और क्रिकेट खेलेंगे।

युवा दिलों और भविष्य के सितारों के लिए - क्रिकेट सिर्फ एक खेल से अधिक है; यह एक जुनून है, अनुशासन की यात्रा और महानता का मार्ग है। यदि आप भारतीय जर्सी पहनने का सपना देखते हैं, तो आज से शुरू करें। कड़ी मेहनत करें, विनम्र रहें, लगातार सीखें, और कभी हार न मानें। अवसर पहले कभी नहीं बढ़ रहे हैं - जमीनी स्तर के टूर्नामेंट से लेकर घरेलू लीग तक, स्थानीय कोचों से लेकर अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन तक। प्रतिभा अपना रास्ता ढूंढती है, लेकिन समर्पण और दृढ़ता पथ को हल्का करती है।

अपने खेल में विश्वास करो, अपने सपनों पर विश्वास करो। सड़क कठिन हो सकती है, लेकिन भीड़ की गर्जना और भारत का प्रतिनिधित्व करने का गौरव पसीने की हर एक बूंद के लायक है।

छोटा शुरू करो। बड़ा सोचो। बोल्ड खेलो। भारत इंतजार कर रहा है।

वीट आत्मविश्वास जगाने वाले एक खास कैम्पेन के साथ लेकर आया स्मूदेस्ट वे टु सेक्सी

ठाणे/मुंबई (उत्तरशक्ति)। त्वचा के बाल हटाने वाले प्रोडक्ट बनाने वाली दुनिया की अग्रणी कंपनी वीट, उस अनचाही चुनौती से निपट रही है, जिसका सामना हर महिला असल जिंदगी में करती है, लेकिन वह खुलकर इसकी चर्चा नहीं करती है। यह समस्या है अंतरंग हिस्सों को संवारने में आने वाली झिझक और आत्मविश्वास की कमी। अपने नए बोल्ड कैंपेन वीट्स स्मूदेस्ट वे टु सेक्सी के साथ ब्रांड ने एक ऐसा जोन चुना है जो सेक्सी भी है और हर महिला से जुड़ा भी है। यह कैंपेन महिलाओं को एक ऐसा तरीका देता है जो तेज, बिना दर्द वाला और बिना किसी चिंता के चिकनी त्वचा पाने में मदद करता है। जहां पारंपरिक तरीके अक्सर दर्दनाक, अधिक समय लेने वाले या शरीर के निचले भाग के सेंसिटिव एरिया के लिए सही नहीं होते, वहीं वीट का ये नया कैंपेन आज की मॉडर्न महिला की उस चाह को दिखाता है – जहां वो खुद को खूबसूरत, कंफर्टेबल और पूरे कॉन्फिडेंस के साथ सेक्सी महसूस कर सके, वह भी बिना किसी शर्म के। वीट ने हमेशा से त्वचा के बाल हटाने का एक बेहतरीन अनुभव प्रदान करने का प्रयास किया है। अपने इसी वादे को निभाते हुए लाया गया है वीट प्योर सेंसेटिव हेयर रिमूवल क्रीम, इसे खासतौर पर सेंसिटिव स्किन के लिए तैयार किया गया है।

यह क्रीम बिकिनी एरिया तक के इस्तेमाल के लिए भी सुरक्षित है। इसका टेक्सचर रिच और क्रीमी है, और इसे जर्मनी की लैब्स में डमेटोलॉजिकल टेस्ट और प्रमाणित किया गया है। यह त्वचा के बाल हटाने के पारंपरिक तरीकों की तुलना में तेज, आसान और बिना दर्द वाला विकल्प है। इससे न कटने-छिलने का डर रहता है, न खुजली या चुभन वाले बालों की वापसी की चिंता। कुल मिलाकर, ये क्रीम देती है स्मूद, साफ और कॉन्फिडेंस से भरी स्किन झ वो भी बिना झंझट के। इस कैंपेन का टीवीसी मशहूर डायरेक्टर जेसिका सदाना ने निर्देशित किया है, जिन्हें वेब सीरीज एडल्टिंग के लिए खूब सराहना मिल चुकी है। इस फिल्म को मौजमस्ती से भरपूर एक बीच पर फिल्माया गया है। इस फिल्म में कुछ युवा लड़कियां बिकिनी पहनकर मस्ती भरे दिन की तैयारी कर रही होती हैं – लेकिन अचानक झिझक उन्हें रोक देती है। इसी मोड़ पर वीट प्योर सेंसेटिव उन्हें न सिर्फ अनचाहे बालों से छुटकारा दिलाता है, बल्कि आत्मविश्वास भी देता है, जिससे वे अपनी झिझक छोड़कर खुद को पूरी तरह एक्सप्रेस कर पाती हैं। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे एक छोटा-सा सेल्फ केयर स्टेप लड़कियों को आत्मविश्वासी, बेझिझक और सेक्सी महसूस कराने की ताकत रखता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

चिकित्सा, स्वचालित वाहन के क्षेत्र में नई तकनीक होगी विकसित: डॉ. सविनय नागेन्द्र

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा कंप्यूटर दृष्टि (कंप्यूटर विजन) के क्षेत्र में एक उच्च स्तरीय आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस व्याख्यान का विषय ₹ डाउनस्ट्रीम कार्यों के लिए बड़े आधारभूत विजन मॉडल्स की शून्य-प्रशिक्षण विभाजन क्षमताओं का कुशलतापूर्वक उपयोग विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए₹ था। इस अवसर पर प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ. सविनय नागेन्द्र, अनुसंधान वैज्ञानिक, मेटा, कैलिफोर्निया, अमेरिका से आमंत्रित थे।डॉ. नागेन्द्र ने कहा कि कैसे बड़े विजन मॉडल्स बिना किसी विशेष प्रशिक्षण आँकड़ों के नई छवियों को समझने और उनका विभाजन करने में सक्षम होते हैं। उन्होंने इन क्षमताओं के प्रभावी उपयोग पर भी विस्तार से प्रकाश डाला, जैसे चिकित्सा छवि विश्लेषण, स्मार्ट निगरानी प्रणालियाँ और स्वचालित वाहन आदि क्षेत्रों में इनका अनुप्रयोग। उन्होंने यह भी समझाया कि शून्य-प्रयास तकनीकें भविष्य में मशीन दृष्टि प्रणाली को अधिक लचीला और कुशल बना सकती हैं इस कार्यक्रम के संयोजक इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. रवि प्रकाश रहे, जबकि संचालन डॉ. ज्योति प्रशांत सिंह ने किया। कार्यक्रम में कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा सहित इलेक्ट्रॉनिक्स तथा कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभागों के समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थीगण ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे। यह व्याख्यान तकनीकी ज्ञान के अद्यतन और शोध के नए आयामों को समझने हेतु अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ।

ट्रेलर चालक के हत्यारोपियों की तलाश में जौनपुर रवाना हुई पुलिस

मुठभेड़ में मारे गए बदमाश संतोष के मोबाइल से मिले अहम सुराग

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कौशांबी जिले में बीते शुक्रवार की रात चार करोड़ का कॉपर वायर लूटने के बाद ट्रेलर चालक की गोली मारकर हत्या करने वाले दो इनामी बदमाशों की तलाश में पुलिस टीम बिहार प्रांत रवाना हो चुकी है। यही नहीं, आरोपियों के गृह जनपद सहित पांच शहरों में भी पुलिस टीम पहुंचकर उनकी तलाश कर रही है। जबकि फरार आरोपियों के एक साथी को पुलिस ने शनिवार की रात मुठभेड़ में ही ढेर कर दिया था। कोखराज के ककोढ़ा गांव के बाहर झाड़ियों में शुक्रवार की रात अजमेर के नसीराबाद निवासी सावर मल का रक्तरंजित शव मिला था। पुलिस ने शव की पहचान कराई तो पता चला कि सावर मल के ट्रेलर वाहन में लदे रेलवे के चार करोड़ कीमत के कॉपर वायर को लूटने के लिए कार सवार तीन बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया था।

मुखबिर की सूचना पर शनिवार रात पुलिस टीम ने जौनपुर खेतासराय अंतर्गत पोरई कला निवासी संतोष राजभर उर्फ राजू ककोढ़ा के समीप से पकड़ लिया। हत्या में प्रयुक्त 32 बोर की पिस्टल बरामदगी के दौरान उसने पुलिस टीम पर फायर किया था। जवाबी कार्रवाई में संतोष मारा गया। मौत के पहले उसने घटना को अंजाम देने में अपने गांव के साथी कार्तिक व आजमगढ़ जनपद के बरदहा अंतर्गत राजागंज कुंभ निवासी रंजीत का नाम बताया था। दोनों आरोपियों के फरार होने के चलते आईजी ने उन पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया।

पुलिस अधीक्षक राजेश ने दोनों आरोपियों की धर-पकड़ के लिए सीओ सिराथू, थानाध्यक्ष कोखराज, कड़ाधाम, करारी सहित कई टीमें गठित की हैं। फरार बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस ने जब उनके मोबाइल की लोकेशन ट्रेस करनी चाही तो स्विच ऑफ मिला। हालांकि मुठभेड़ में मारे गई बदमाश संतोष के मोबाइल से कई अहम सुराग हाथ लगे हैं। इसे लेकर पुलिस की टीमें बिहार प्रांत से लेकर जौनपुर, आजमगढ़, देवरिया, कानपुर व वाराणसी के लिए रविवार की शाम रवाना हो गईं। सीओ सिराथू अवधेश विश्वकर्मा ने बताया कि जल्द ही फरार बदमाशों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मारे गए बदमाश का इंडोनेशिया से जुड़े तार, खोज रही पुलिस

मुठभेड़ में मारे गए बदमाश संतोष के मोबाइल से अहम सुराग मिले हैं। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक उसके पास से जो मोबाइल बरामद हुआ। उसमें इंडोनेशिया के सिमकार्ड का इस्तेमाल किया गया है। वाईफाई के जरिये वह अपने साथियों से वीओआईपी कॉलिंग से संपर्क करता था। इंडोनेशिया मुस्लिम देश है, सो पुलिस को इस बात की आशंका है कि उसके तार विदेशियों से भी जुड़े हो सकते हैं। उसके मोबाइल की सीडीआर पुलिस खंगाल रही है। हालांकि इस मामले में पुलिस अफसरों ने चुप्पी साध रखी है, लेकिन महकमे में चर्चा है कि मोबाइल की कॉल डिटेल व फरार बदमाशों के पकड़े जाने के बाद कई अन्य घटनाओं के भी खुलासे हो सकते हैं।

वाराणसी:काला फीता बांध सिंचाई कर्मचारियों ने विरोध दर्ज कराया

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। सिगरा स्थित सिंचाई कॉलोनी में सभी सिंचाई कार्यालयों के कर्मचारियों द्वारा काला फीता बांध कर विरोध दर्ज कराते हुए राजकीय कार्य किया गया। काला फीता बांध कर विरोध जताने का कारण सिंचाई विभाग में विभिन्न संवर्गों के पदों को खत्म या कम किए जाने को लेकर था। दो दिवसीय 20 व 21 मई के विरोध प्रदर्शन में आज मंगलवार को पहले दिन सिंचाई विभाग के विभिन्न संगठनों द्वारा काला फीता बांध कर (राजकीय कार्य करते हुए) सांकेतिक विरोध दर्ज कराया गया। जिसमें लिफ्ट सिंचाई मंडल वाराणसी के विनोद कुमार श्रीवास्तव व कनीज फातिमा प्रशासनिक अधिकारी, रत्नेश प्रसाद, संगणक, साधना श्रीवास्तव, प्रधान सहायक, मो0 आरिफ अंसारी व दीनानाथ वरिष्ठ सहायक, सुनील कुमार भारती आदि शामिल होकर विरोध दर्ज कराया।

मछलीशहर के निजी अस्पताल में प्रसूता की मौत, परिजनों ने की तोड़फोड़

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय नगर स्थित एक निजी अस्पताल में सीजेरियन प्रसव के दौरान एक महिला की मौत हो गई। बता दें कि महिला सिकरारा थाना क्षेत्र के मनिकापुर गांव की रहने वाली 32 वर्षीय बिंदु यादव को सोमवार सुबह प्रसव पीड़ा होने पर मां विद्या हास्पिटल मछलीशहर में भर्ती कराया गया।जहां डॉक्टर ने सीजेरियन ऑपरेशन से प्रसव कराया। बच्ची के जन्म के बाद महिला की स्थिति बिगड़ने लगी।अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण डॉक्टर ने मरीज को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। रास्ते में ही महिला की मृत्यु हो गई।मृतका के परिजन शव को लेकर वापस अस्पताल पहुंचे। गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में तोड़फोड़ की। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा और प्रभारी निरीक्षक विनीत राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को नियंत्रित किया। क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर शांति व्यवस्था बनाई गई है। घटना के बाद अस्पताल का स्टाफ और संचालक फरार हो गए हैं।बताते चले कि मछलीशहर में एक दो महीने के अंतराल में इस तरह की घटनाएं अक्सर देखने को मिलती है।लेकिन प्रशासन द्वारा उचित कार्यवाही न किए जाने से अवैध रूप से झोलाछाप डॉक्टरों का ग्रुप धड़ल्ले से अस्पताल संचालित कर रहा है। मछलीशहर में अवैध रूप से संचालित हो रहे हॉस्पिटलों में आये दिन ऐसी घटनाएं देखने को मिल रही है जिस पर स्वास्थ्य विभाग की बिल्कुल नकेल नही है। धड़ल्ले से संचालित हो रहे ऐसे अवैध हॉस्पिटल पर कब लगाम लगेगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा जानकारी के अनुसार इस तरह की ऐसी घटनाएं आम होती जा रही है।

जहरीले जंतु ने महिला को काटा, नही बच पाई जान

-विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत खनुवाई गांव में सांप के काटने से एक महिला गंभीर हो गई। जानकारी होने पर मौके पर मौजूद परिजनों ने इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

क्षेत्र के खनुवाई गांव निवासी 38 वर्षीय कुसुम प्रजापति पत्नी चंद्रिका प्रसाद प्रजापति मंगलवार की सुबह घर में काम करने के दौरान सांप ने काट लिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर मौके पर मौजूद परिजनों ने आनन-फानन में इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय लाएं। जहां चिकित्सकों ने इलाज के दौरान महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री राज्यसभा सदस्य अरुण सिंह पहुंचे काशी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर दिलीप पटेल क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा के नेतृत्व में कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से दिलीप पटेल, हंसराज विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष, प्रदीप अग्रहरि महानगर अध्यक्ष, रमाशंकर पटेल विधायक, विपिन सिंह क्षेत्र संयोजक प्रबुद्ध प्रकोष्ठ, अशोक चौरसिया, डॉ अशोक राय ,शुभम सिंह अजय विश्वकर्मा प्रोटोकॉल प्रभारी भाजपा/ क्षेत्र उपाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा काशी क्षेत्र शैलेश पाण्डेय व अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

मुंगराबादशाहपुर थाने में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाने में अचानक लगी आग से अफरा-तफरी मच गई। तत्काल प्रभाव से फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। मौके पर दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। थाने में अचानक लगी आग से अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार परिसर के नजदीक स्थित कूड़े के ढ़ेर में आग लगी जो फैलते-फैलते थाने तक पहुंच गई। जब तक कोई सोच पाता परिसर में मौजूद लावारिस गाड़ियां भी धू-धू कर जलने लगी । जलती गाड़ियों को देखकर पुलिसकर्मी भागे और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और एक घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने के कारणों का अभी तक पुख्ता कारण पता नहीं चल पा रहा है। इंस्पेक्टर दिलीप सिंह के अनुसार इस घटना में अभी किसी बड़े नुकसान का अनुमान नहीं है।

फंदे से लटकता मिला विवाहिता का शव,पति सहित ससुराल वालों पर लगा हत्या का आरोप

-रियाजुल हक

सरायख्वाजा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र अंतर्गत औरही गांव में सोमवार की देर शाम उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक विवाहिता का शव उसके कमरे में पंखे से गमछे के सहारे लटकता हुआ मिला। मृतका की पहचान अंजू देवी (30 वर्ष) पत्नी रमेश कुमार के रूप में हुई। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच मे जुट गई हैं। मोबाइल फोन खोने को लेकर पति-पत्नी मे चल रहा था विवाद मिली जानकारी के अनुसार, औरही गांव निवासी अंजू देवी और उनके पति रमेश कुमार के बीच करीब पांच दिन पूर्व मोबाइल फोन खोने को लेकर एक दूसरे से विवाद हुआ था, जिसके बाद दोनों के बीच बातचीत बंद चल रही थी। बताया जा रहा है कि नाराजगी के चलते सोमवार की दोपहर अंजू देवी अपने कमरे में गईं, उस वक्त उनका पति घर पर मौजूद नहीं था। शाम को जब रमेश किसी काम से अंजू को बुलाने कमरे में गया तो उसकी चीख निकल पड़ी। अंजू का शव पंखे से गमछे के सहारे लटका हुआ था। शोर सुनकर परिवार और गांव के लोग मौके पर पहुंच गए। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही सरायख्वाजा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका अंजू देवी के दो छोटे बच्चे हैं और घटना के बाद से पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

मृतका के मायके वालों ने पति रमेश पर लगाया हत्या का आरोप

वही, मृतका के मायके पक्ष ने घटना को आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए पति रमेश कुमार पर हत्या का आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि यह आत्महत्या नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हत्या है, जिसे घरेलू विवाद का रूप देकर दबाने की कोशिश की जा रही है।

जांच मे जुटी पुलिस

थाना प्रभारी निरीक्षक विनय प्रकाश सिंह ने बताया कि फिलहाल इस मामले में कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। जैसे ही तहरीर मिलेगी, जांच कर उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है।

निलंबन से बचाने के नाम पर पच्चीस हजार रुपए की मांग पड़ी भारी

मड़ियाहूं, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सीबीआई ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भारतीय डाक विभाग के उप संभागीय निरीक्षक (SDI) मड़ियाहू, जौनपुर और एक निजी व्यक्ति को 25,000 की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 19 मई 2025 को दर्ज एक शिकायत के बाद की गई, जिसमें पीड़ित शाखा पोस्ट मास्टर ने आरोप लगाया था कि SDI ने निरीक्षण के दौरान नगदी की कमी को लेकर स्पष्टीकरण मांगा और फिर निलंबन से बचाने के नाम पर 25,000 की मांग की।सूत्रों के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने 17 मई को अपना स्पष्टीकरण दे दिया था, लेकिन उसी दिन आरोपी SDI ने उसे दबाव में लेकर रिश्वत की डिमांड की। सीबीआई ने पूरी साजिश को भांपते हुए जाल बिछाया और SDI मेल मोटर चालक (निजी व्यक्ति) को शिकायतकर्ता से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।

गिरफ्तारी के बाद दोनों को विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, सीबीआई कोर्ट संख्या 6, लखनऊ में पेश किया गया। फिलहाल, सीबीआई की जांच गहराई से जारी है और इससे विभाग में हड़कंप मच गया है।

वाराणसी के बड़ागांव में लखनऊ से लौटते समय हेड कांस्टेबल अनिल पांडेय की दर्दनाक मौत

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति) 'जनपद के बड़ागांव क्षेत्र के सेहमलपुर में सोमवार देर रात एक दुखद सड़क हादसे में 45 वर्षीय हेड कांस्टेबल अनिल पांडेय की मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब एक अज्ञात वाहन ने उनकी बुलेट मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। अनिल पांडेय आजमगढ़ में तैनात थे और लखनऊ से बुलेट पर सवार होकर वापस लौट रहे थे।जानकारी के अनुसार, हादसे के बाद अनिल पांडेय को गंभीर हालत में सतोमहुआ स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत को देखते हुए उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। मृतक अनिल पांडेय वाराणसी के आशापुर स्थित लोहिया नगर कॉलोनी के निवासी थे।घटना की सूचना मिलते ही उनके परिजनों और सहकर्मियों में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ागांव पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

संकट मोचन मंदिर के महंत के घर से नकदी और जेवरात चोरी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के भेलूपुर थाना क्षेत्र के तुलसीघाट स्थित संकट मोचन मंदिर के महंत प्रो विशंभर नाथ मिश्रा के कार्यालय वाले आवास के दूसरे तल पर रविवार दोपहर को घुसे दो चोरों ने 3 लाख रुपए नकद और लगभग एक करोड़ कीमत का जेवरात उठा ले गए। घर में चोरी होने की जानकारी सोमवार रात में होने पर महंत ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर डीसीपी काशी एसीपी भेलूपुर फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में घर में घुसने वाले मुंह बांधे दो युवक झोला लिए जाते दिखाई पड़े। एडीसीपी काशी ने बताया कि महंत के घर में चोरी के मामले में दो युवकों को हिरासत में लिया गया। दोनों युवकों से पूछताछ चल रही है। जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा किया जाएगा। विशंभर नाथ की पत्नी आभा मिश्रा इलाज कराने के लिए मेदांता दिल्ली गई है। उनके वापस लौटकर आने के बाद चोरी गए गहनों के बारे में पता चल पाएगा। इस चोरी की घटना में महंत आवास पर काम करने वाले कर्मचारियों की मिलीभगत का संदेह है।आलमारी खुला था कुंडी टूटी थी। पैसा मंदिर के चढ़ावा का था। जेवरात महंत के परिवार का पुराना काफी कीमती था। घर में चोरी होने की जानकारी सोमवार को दिल्ली वापस लौटने पर कमरे का दरवाजा खुला होने पर महंत को हुई।

गौतस्करी के आरोप में दो आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने गौतस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में मोहन मौर्य और संजय कुमार सोनकर शामिल हैं। रविवार की रात जलालपुर थाना क्षेत्र के असबरनपुर अंडरपास के पास से यह गिरफ्तारी की गई। उप निरीक्षक विजय कुमार सिंह अपनी टीम के साथ हाइवे स्थित सीएचसी रेहटी के पास चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। पूछताछ में पता चला कि मोहन मौर्य चंदौली के धीना थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वर्तमान में वह वाराणसी के सारनाथ थाना क्षेत्र की श्री नगर कॉलोनी में रहता है। दूसरा आरोपी संजय कुमार सोनकर वाराणसी के सारनाथ थाना क्षेत्र के सलारपुर का निवासी है। आरोपियों ने बताया कि वे टाटा झोनान वाहन में जानवर लादकर जा रहे थे। ओईना के पास तेज गति के कारण वाहन पलट गया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाही करते हुए चालान न्यायालय भेज दिया।

विभिन्न मोहल्लो में अलग अलग कार्य हेतु पैसे स्वीकृत किया गया शिलान्यास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पालिका परिषद, जौनपुर क्षेत्रान्तर्गत मोहल्ला ककोरगहना यादव बस्ती में धर्मराज यादव के मकान से सियाराम के मकान तक नाली व शंकर जी मन्दिर से पप्पू यादव के मकान तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य 5.73 लाख रुपए, मोहल्ला ककोरगना में पतिराम पाल के मकान से सतिराम पाल के मकान तक साइडवॉल व इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य 5.72 लाख रुपए तथा मो० आलम खा में मिर्जा बाबू हसन के मकान से मुन्ना राजा के मकान तक नाली व इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य 5.72 लाख रुपए का शिलान्यास आज दिनांक 19.05.2025 को अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, जौनपुर मनोरमा मौर्या) के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष व उनके प्रतिनिधि डॉ० रामसूरत मौर्या के लोकापर्ण स्थल पर पहुँचने पर उपस्थित लोगों ने पुष्पों का हार भेंट करते हुए जोरदार स्वागत एवं अभिनन्दन किया। स्थानीय जनता ने उक्त कार्य के लोकापर्ण होने की स्थिति में वर्तमान पालिका अध्यक्ष द्वारा की गयी उपलब्धियों पर उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी। जिस पर लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से जय घोस करते हुए जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर पवन कुमार अधिशासी अधिकारी, शशि मौर्या सभासद, तहसीन शाहिद, सभासद, सागर अवर अभियन्ता सिविल, रागिनी मौर्या अवर अभियन्ता जल, प्रियंका यादव अवर अभियन्ता जल, अनिल यादव प्रभारी सफाई निरीक्षक, लालू प्रसाद कान्दू सहादुर, आदि लोग उपस्थित थें।

जौनपुर में मंदिरों से चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के रामपुर पुलिस ने इमिलिया मोड़ से मंगलवार को दो चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपी जौनपुर के राजापुर निवासी दिनेश उर्फ मोनू उर्फ प्रीत तिवारी और भदोही के याकूबपुर निवासी मनोज उर्फ मोनू पांडेय हैं। पूछताछ में आरोपियों ने कई मंदिरों से चोरी की वारदातों को स्वीकार किया। बाबा बूढ़ेनाथ महादेव मंदिर गोपालपुर से 20 दिन पहले घंटी और अखंड ज्योति चुराई गई। गोपालपुर हनुमान मंदिर से एक सप्ताह पूर्व दो पीतल के दीये और स्टील की पूजा थाली गायब हुई। 17 मई की रात को बसगोतान गोपालपुर स्थित शंकर भगवान मंदिर को निशाना बनाया गया। यहां से पीली धातु की नागफनी, तांबे के दो छोटे लोटे, एक तांबे का गिलास और सफेद धातु की लक्ष्मी-कृष्ण की मूर्तियां चोरी की गईं। नागेश्वर नाथ धाम मंदिर से एम्पलीफायर, साउंड बॉक्स, माइक, स्टैंड, घंटियां और झटका मशीन चुराई गई। पुलिस ने चोरी का कुछ सामान आरोपियों से बरामद किया है। शेष सामान बेचकर दोनों ने पैसे आपस में बांट लिए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 305, 317(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। दिनेश पर अतिरिक्त धारा 3/25 आर्म्स एक्ट भी लगाया गया है। दोनों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को रौंदा 2 की मौत

-धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के फत्तूपुर में स्थित फोरलेन हाईवे पर मंगलवार की दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जानकारी के मुताबिक एक अज्ञात बेकाबू वाहन ने बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी,जिससे दो की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस के घायल को उपचार हेतु एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भिजवाया तथा अन्य दोनो मृत युवकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। जिसकी पहचान सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के साढ़ापुर गांव निवासी हौशिला गौतम का 18 वर्षीय पुत्र संतोष, तथा रोशन पुत्र अमरजीत गौतम निवासी नचरौला, थाना आसपुर देवसरा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि आशु गंभीर रूप से घायल हो गया।इस हादसे के बाद मृतकों के गांव में शोक की लहर दौड़ गई है परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

जौनपुर जिलाधिकारी के द्वारा एसबीआई शाखा बदलापुर का किया गया औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना अंतर्गत लंबित आवेदनों के संदर्भ में शाखा प्रबन्धक से जानकारी ली और आवेदकों से फोन के माध्यम से वार्ता करते हुए उनसे फीडबैक भी लिया तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन भी आवेदनों में लोन डिसबर्समेंट होना है, उसमें ऋण वितरण शीघ्र कराया जाना सुनिश्चित करें।इस दौरान उन्होंने उपस्थित खाताधारकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के लाभ बताते हुए उन्हें जागरूक किया और बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में मात्र रु0 20 प्रति वर्ष का प्रीमियम देय होता है। और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा में 436 रुपये प्रति वर्ष प्रीमियम देय है। उक्त दोनों बीमा योजना में बीमित व्यक्ति के परिवार को दो लाख रुपये तक का जीवन बीमा कवर दिया जाता है। इस लिए योजना का लाभ अवश्य लें।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी योगिता सिंह, सहित बैंक अधिकारी व स्टाफ उपस्थित रहे।

जौनपुर: सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मृत्यु, गांव में मातम

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मीरगंज थाना क्षेत्र के माधोपुर निवासी दयाशंकर मिश्रा की मृत्यु सोमवार की रात इलाज के दौरान हो गई। मंगलवार की भोर उनका शव गांव आते ही कोहराम मच गया। स्वजनों का रो रोकर बुरा हाल है।उक्त गांव निवासी 55 वर्षीय दयाशंकर मिश्र रविवार की दोपहर बाइक से मछलीशहर से घर आ रहे थे।उसी समय जंघई से मछलीशहर की तरफ जा रही बोलेरो गाड़ी ने बंधवा बाजार की पेट्रोल टंकी के करीब टक्कर मार दी। जिससे दयाशंकर मिश्रा और उसी गांव के शनि मिश्रा बुरी तरह घायल हो गये जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर ले जाया गया। स्थिति नाजुक देख चिकित्सकों ने उन्हें रेफर कर दिया। स्वजन उन्हें प्रयागराज के निजी चिकित्सालय ले गये। जहां इलाज के दौरान सोमवार की शाम उनकी मौत हो गई। शनि मिश्रा का इलाज अभी चल रहा है।

बाइक-मैजिक की टक्कर में पिता की मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के केराकत कोतवाली क्षेत्र में सड़क हादसा हुआ। थानागद्दी-जलालपुर मार्ग स्थित खर्गसेनपुर गांव में बाइक और मैजिक वाहन की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में वाराणसी के गंगापुर मंगारी निवासी सीताराम (58) की मौके पर मौत हो गई। उनके साथ बाइक पर सवार बादल कुमार (19) घायल हो गए। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत में भर्ती कराया गया है। मृतक सीताराम अपने छोटे बेटे आकाश की 1 जून को होने वाली शादी के कार्ड बांटने रतनुपुर बाजार में अपनी बहन के यहां जा रहे थे। स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना में शामिल मैजिक वाहन को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

یسریٰ حکیمی دواخانہ
Regd.No20230048
गुसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज

मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

बिजली बिल बकाया पर कटा कनेक्शन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद के बिहरोजपुर गांव में बिजली विभाग के संविदा लाइनमैन को कनेक्शन काटना महंगा पड़ गया। विद्युत उपकेंद्र इमलों के जेई विनोद कुमार के निर्देश पर शनिवार को सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। लाइनमैन राजन निषाद ने दो सहयोगियों के साथ समर बहादुर का कनेक्शन काटा।

उपभोक्ता पर 49 हजार रुपये का बिल बकाया था। कनेक्शन काटने के बाद समर बहादुर ने शाम को राजन को फोन किया। उसने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। घटना से डरे हुए राजन ने सोमवार शाम को थाने में शिकायत दर्ज कराई। थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि समर बहादुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

बाइक-मैजिक की टक्कर में पिता की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के केराकत कोतवाली क्षेत्र में सड़क हादसा हुआ। थानागद्दी-जलालपुर मार्ग स्थित खर्गसेनपुर गांव में बाइक और मैजिक वाहन की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में वाराणसी के गंगापुर मंगारी निवासी सीताराम (58) की मौके पर मौत हो गई। उनके साथ बाइक पर सवार बादल कुमार (19) घायल हो गए। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत में भर्ती कराया गया है। मृतक सीताराम अपने छोटे बेटे आकाश की 1 जून को होने वाली शादी के कार्ड बांटने रतनुपुर बाजार में अपनी बहन के यहां जा रहे थे। स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना में शामिल मैजिक वाहन को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

नीलगाय से टकराकर टेंपो पलटा, एक की मौके पर मौत दो घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के पौना गांव में सड़क पर अचानक नीलगाय आ जाने से एक टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें एक कि मौके पर मौत हो गई। दो घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया। बता दें कि जफराबाद थाना क्षेत्र के पौना गांव का मुन्ना यादव अपना टेंपो लेकर धमार्पुर बाजार होते हुए वापस घर लौट रहा था, दोपहर के दो बजे टेंपो जैसे ही धमार्पुर-जफराबाद मार्ग पर पौना गांव में पहुंचा तभी अचानक सामने दौड़ते हुए एक नीलगाय आ गया, नीलगाय से टकराकर टेंपो अनियंत्रित होकर सड़क पर ही पलट गया, टेंपो के नीचे टेंपो में सवार अभिषेक यादव उर्फ मोनू (23) पुत्र नवल यादव निवासी पौना की दबने के वजह से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, वहीं टेंपो में बैठा विशाल यादव (24) और टेंपो चला रहा मुन्ना यादव (30) घायल हो गया।

घटना के बाद चीख पुकार मच गई। घायल विशाल और मुन्ना को जिला अस्पताल भिजवाया गया। घटना के बाद अभिषेक यादव उर्फ मोनू के घर पर कोहराम मच गया। हालांकि परिजनों ने पुलिस को बिना सूचना दिए लाश का अंतिम संस्कार कर दिया। थाना प्रभारी जफराबाद जय प्रकाश यादव ने बताया कि उन्हें इस घटना की कोई जानकारी नही है और न ही कोई सूचना मिली है।

रसना ने मशहूर ब्रांड जम्पिन का अधिग्रहण कर रेडी-टु-ड्रिंक मार्केट में रखा कदम

मुंबई। मुंबई, दुनिया की सबसे बड़ी इंस्टैंट बेवरेज कंपनी रसना प्राइवेट लिमिटेड ने भारत के तेजी से बढ़ रहे रेडी-टू-ड्रिंक (आरटीडी) बाजार में कदम रखा है। कंपनी ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत मशहूर बेवरेज (पेय) ब्रांड जंपिन को खरीदा है जिसका स्वतंत्र मूल्यांकन 350 करोड़ रुपये है। यह कदम रसना के लिए गैर-काबोर्नेटेड बेवरेज कैटेगरी में अपने उत्पादों का विस्तार करने और अपनी स्थिति को और मजबूत करने की बड़ी योजना का हिस्सा है। जंपिन को सबसे पहले गोदरेज समूह ने अपने मुख्य उत्पाद के रूप में लॉन्च किया गया था। यह भारत का पहला टेट्रापैक ब्रांड था, जिसे 1980 के दशक से अपने स्वादिष्ट टेट्रा पैक पेय और बाबा सहगल के साथ ही कई दूसरे यादगार विज्ञापनों की वजह से लोगों ने बहुत पसंद किया। बाद में इसे हर्शीज इंडिया ने संभाला, और अब रसना प्राइवेट लिमिटेड के मालिकाना हक में यह ब्रांड एक नए विकास के दौर में कदम रख रहा है। जंपिन को अब एक स्वस्थ, समृद्ध, गाढ़े और स्वादिष्ट (हेल्दयर, रिचर, थिकर, टेस्टियर) ड्रिंक के रूप में दोबारा लॉन्च किया जा रहा है, जो भारत में अपनी तरह का पहला उत्पाद है। इसे दुकानों, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और रसना के मजबूत ग्रामीण वितरण नेटवर्क के जरिए पूरे भारत में उपलब्ध कराया जाएगा। इस अधिग्रहण पर बात करते हुए रसना प्राइवेट लिमिटेड के ग्रुप चेयरमैन पिरूज खंबाटा ने कहा, जंपिन का अधिग्रहण हमारे लिए एक अहम कदम है। यह एक मजबूत ब्रांड है और लोगों के बीच इसकी अच्छी पहचान है, जिससे यह हमारे बेवरेज पोर्टफोलियो में एक बेहतरीन जोड़ साबित होगा। यह कदम रेडी-टू-ड्रिंक (आरटीडी) सेगमेंट में हमारे प्रोडक्ट्स के दायरे को बढ़ाने और ब्रांड को और मजबूत बनाने की हमारी दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है। इस अधिग्रहण के जरिए हम नए उत्पादों के विकास, वितरण नेटवर्क के विस्तार और बाजार में अपनी मौजूदगी को और बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे, ताकि उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता वाले और किफायती पेय उत्पाद मिलते रहें। जंपिन को दोबारा लॉन्च करने की रणनीति के तहत, कंपनी इसे आकर्षक और ग्राहक-केंद्रित पीईटी बोतलों में 250 एमएल, 600 एमएल और 1.2 लीटर के आकार में पेश करेगी, जिन्हें कहीं भी ले जाया जा सकता है या परिवार के साथ घर पर बैठकर इनका लुत्फ उठाया जा सकता है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और आधुनिक उपभोक्ताओं, खासकर जेन जी और युवाओं को आकर्षित करने के लिए, जंपिन 125 एमएल, 200 एमएल और 1 लीटर के सुविधाजनक टेट्रा पैक में भी उपलब्ध होगा। यह ब्रांड जून में दुकानों में उपलब्ध होगा।

कंपनी पहले प्रमुख क्षेत्रीय और महानगरीय बाजारों पर ध्यान देगी और स्वादिष्ट आम, नींबू, लीची और अमरूद फ्लेवर में कई उत्पाद लॉन्च करेगी, जिसके बाद धीरे-धीरे पूरे देश में विस्तार किया जाएगा। यह अधिग्रहण ऐसे समय में हुआ है जब भारत का रेडी-टू-ड्रिंक (आरटीडी) पेय बाजार तेजी से बढ़ रहा है। आईएमएआरसी ग्रुप के अनुसार, भारत का फ्रूट जूस बाजार 2033 तक 1,22,855 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें 2025-2033 के दौरान 11.90% की वार्षिक वृद्धि दर होगी। स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति बढ़ती जागरूकता और प्राकृतिक, पोषक तत्वों से भरपूर बेवरेजेज की बढ़ती मांग इस बाजार की वृद्धि को बढ़ावा दे रही है।

युवा साहित्यकार पवन तिवारी को आचार्य चतुरसेन शास्त्री पुरस्कार 2025 प्रदत्त

मुंबई। सामाजिक साहित्यिक संस्थाअ.भा. अग्निशिखा मंच की अध्यक्षा श्रीमती अल्का पांडे द्वारा मुलुंड प.पर स्थित मुक्तेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार हरीश पाठक एवम संचालन कुमार जैन ने किया। युवा साहित्यकार पवन तिवारी द्वारा लिखित पुस्तक त्यागमुर्ति हिडिम्बा में वर्णित राक्षसी हिडिम्बा के द्वारा हर समय किये गये त्याग की विस्तृत विवेचना उत्कृष्ट तरीके से की गई है। इसलिए अग्निशिखा मंच द्वारा उन्हें आचार्य चतुरसेन शास्त्री पुरस्कार 2025 से नवाजा गया। इस समारोह में प्रमुख अतिथी एवं वक्ता के रूप में श्रीमती कमलेश पाठक,डॉ.बाबूलाल सिंह (वरिष्ठ समाज सेवी), पत्रकार

दिव्या जैन, डा.अशोक तिवारी, कवि रामप्यारे रघुवंशी, संजय दूबे (युवा समाज सेवक) एवम समारोह अध्यक्ष हरीश पाठक,संयोजक श्रीमती अल्का पांडेय द्वारा शाल प्रशस्ति पत्र स्मृति चिन्ह,तुलसी पौधा एवम सम्मान राशि देकर युवा साहित्यकार पवन तिवारी को आचार्य चतुरसेन शास्त्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कवि हैरान जौनपुरी,सदाशिव चतुवेर्दी,कवियत्री प्रभा शर्मा dks.saamana@gmail.comm,शिल्पा सोनटक्के, ओम प्रकाश सिंह, ओमप्रकाश तिवारी, हेरंब तिवारी, नंदलाल क्षितिज, रामस्वरूप साहू, लक्ष्मी यादव, रमाकांत ओझा,पल्लवी रानी,सत्यवती मौर्य,प्रज्जवल वागदरी, कल्पेश मिश्रा,नीरजा ठाकुर पत्रकार प्रमेन्द्र सिंह, कमलेश गुप्ता, रमाकांत ओझा 'लहरी' सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर कवियत्री प्रभा शर्मा,शिल्पा सोनटक्के ने भी शाल, पुष्प गुच्छ एवम भेंटवस्तु प्रदान कर पवन तिवारी का सम्मान किया। पवन तिवारी को उनकी पुस्तक अठन्नी वाले बाबुजी को महाराष्ट्र हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा जैनेन्द्र पुरस्कार एवम कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया है।

अज्ञात वाहन से टकराई बाइक, दो की मौत

रायबरेली (उत्तरशक्ति)। निमंत्रण में शामिल होने के बाद घर जा रहे बाइक सवार सोमवार रात अज्ञात वाहन से टकरा गए। इससे बाइक सवार देवर-भाभी की मौत हो गई, जबकि एक महिला घायल हुई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। राहगीरों के मुताबिक अज्ञात वाहन की स्पीड तेज थी। बाइक सवार हेलमेट लगाए थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पड़ताल की। भदोखर थाना क्षेत्र के भैदपुर गांव निवासी राकेश (41) पुत्र अवसान अपनी पत्नी राजपती (38) और परिवार की भाभी श्रीमती (38) पत्नी श्रीराम के साथ रिश्तेदारी रामपुर जमुनापुर थाना ऊंचाहार से निमंत्रण में शामिल होने गए थे। रात 10.30 बजे तीनों लोग एक ही बाइक से घर लौट रहे थे। रायबरेली-प्रतापगढ़ हाईवे पर सनही गांव स्थित ढाबा के नजदीक अज्ञात वाहन से बाइक की टक्कर हो गई। बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े। राहगीरों व आसपास की मदद से एंबुलेंस से घायलों को सीएचसी सलोन पहुंचाया गया, जहां देवर राकेश और भाभी श्रीमती को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। राकेश की पत्नी राजपती की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे की जानकारी पर नाते-रिश्तेदारों और ग्रामीणों का सीएचसी में मजमा जुट गया। सभी ने पता लगाने में जुटे रहे कि हादसा कैसे हुआ। रिश्तेदारों व परिजनों में रोना पिटना मचा था। भदोखर थाना प्रभारी दयानंद तिवारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर केस दर्ज होगा। वाहन चालक के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। देवर व भाभी की हादसे में मौत की खबर से अपनों के आंसू नहीं थम रहे हैं।

मुंगराबादशाहपुर में विशाल प्रतिमा के लिए हुआ भूमि पूजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर स्थित मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र के श्री मनोकामनासिद्ध दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर बहोरीकपुर मुंगरा बादशाहपुर में जन संवाद फाउंडेशन के तत्वाधान में चिरंजीव भगवान श्री परशुराम जी की विशाल प्रतिमा की स्थापना हेतु भूमि पूजन प्रसाद वितरण एवं सांस्कृतिक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जन संवाद फाउंडेशन के अध्यक्ष पंकज मिश्रा समाजवादी पार्टी नेता ने जानकारी देते हुए बताया कि भगवान श्री परशुराम की विशाल प्रतिमा की स्थापना के लिए सोमवार के दिन मंत्रोच्चारण के बीच विधि विधान से भूमि पूजन हुआ जहां पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विरोधी दल विधानसभा उत्तर प्रदेश एवं पूर्व अध्यक्ष विधानसभा उत्तर प्रदेश माता प्रसाद पाण्डेय ने शिरकत की एवं अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के

जिला अध्यक्ष डॉ अतुल कुमार दुबे अपनी टीम के साथ पहुंचे जहां पंकज मिश्रा द्वारा सभी को अंग वस्त्र यथार्थ गीता एवं श्री भगवान परशुराम का पद चिन्ह भेंट किया गया। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम में भोजपुरी गायक आर्यन बाबू, विवेक मिश्रा वरदान, निशा उपाध्याय, नंदिनी स्वराज ने जलवा बिखरा जहां हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ हजारों लोगों ने भंडारे में महाप्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर नागेंद्र कुमार मिश्रा वशिष्ठ, जगदीश उपाध्याय, श्याम मिश्र ब्लॉक अध्यक्ष, अमरपाल तिवारी, भैया लाल उपाध्याय, दीपक मिश्रा, निलेश मिश्रा राम पांडे, विकास उपाध्याय , रवि कृष्ण चंद दुबे व अमित पाण्डेय पत्रकार उपस्थित रहे। यह जानकारी वरिष्ठ पत्रकार लाल शेखर सिंह ने प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से दी है।

तालाब में नहाने गए दो मासूम बच्चों की मौत, मची अफरा-तफरी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तालाब ने नहाने गए दो सगे भाइयों की डूबने से मौत हो गई दोनों बच्चे है। जानकारी के अनुसार बघन्द्रा गांव स्थित तालाब में नहाते समय दो सगे भाई अचानक डूबने लगे। जब तक कोई पहुंच पाता तब तक दोनों पानी में समा गए। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया। जांच जारी है।गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के बघन्द्रा गांव के दशरथा पोखरे पर मंगलवार की दोपहर नहाने गए दो सगे भाइ गांव के ही बुढऊ बाबा तालाब में डूबने लगे बच्चों की चीख पुकार सुनकर बगल के लोग जब तक आते तब तक दोनों गहरे पानी में समा गए थे घंटो मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों ने शव को ढूढ कर निकाला ।वही सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष फूलचंद पांडेय ने अपनी सरकारी गाड़ी में दोनों को इलाज हेतु

अस्पताल भेजा जहा चिकित्सको ने दोनों को मृत घोषित कर दिया नयनसंड गांव के रहने वाले स्व धीरज राय के पुत्र बड़ा पुत्र ओम 13 और छोटा भाई अर्जुन 12 वर्ष बगल के गांव बघन्द्रा दशरथा स्थित बुढऊ बाबा तालाब में मंगलवार की दोपहर नहाने हेतु गए थे।

अचानक दोनों भाई तालाब में पानी अधिक होने की वजह से दोनों डूबने और चिल्लाने लगे आस पास के लोग वहा दौड़ कर जब तक दोनों को बचाते तब तक दोनों पानी मे समा गए ग्रामीणों और पुलिस के जवानों की कड़ी मसक्कत के बाद दोनों को पानी से ढूंढ कर निकाला गया सूचना मिलने पर पहुंचे थानाध्यक्ष फूलचंद पांडेय ने दोनों को इलाज हेतु सामुदायिक अस्पताल चोरसंड भेजा जहा चिकित्सको ने दोनों को मृत घोषित कर दिया है।

किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हर संभव प्रयास: हिमांशु पांडे

जौनपुर। किसानों को आत्मनिर्भर और खुशहाल बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश कृषि विभाग द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों को पारदर्शी तरीके से सब्सिडी दी जा रही है। पूर्वांचल एग्रो सेल्स तथा लांसर परिवार द्वारा द्वारा खुटहन के निखिल पैलेस में आयोजित कृषि गोष्ठी में प्रमुख अतिथि के रूप में बोलते हुए कृषि उपनिदेशक हिमांशु पांडे ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि अब किसी को भी सब्सिडी लेने के लिए विचौलियों की आवश्यकता नहीं है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित उप परियोजना निदेशक आत्मा कृषि प्रसार डॉ रमेश चंद्र यादव ने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों से उनका लाभ उठाने की अपील की। कृषि एग्रो सेल्स के संचालक अरुण यादव ने दोनों अतिथियों का अंग वस्त्र ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी गौरवेंद्र सिंह, वरिष्ठ पत्रकार शिव पूजन पांडे, प्रेमचंद यादव तथा लांसर कंपनी के मालिक हर्षद पटेल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सैकड़ो किसान उपस्थित रहे। किसानों ने सभागृह परिसर में रखे नए कृषि यंत्रों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की।

लीलो और स्टिच का नया ट्रेलर हुआ रिलीज- इस गर्मी की सबसे बड़ी फैमिली ब्लॉकबस्टर जल्द आने वाली है!

मुंबई। वो नन्हा, प्यारा, और थोड़ा शरारती एलियन अब आपके दिल चुराने और इस गर्मी में मस्ती का तूफान लाने के लिए तैयार है, क्योंकि डिज्नी की लीलो और स्टिच जल्द ही आपके नजदीकी सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म का नया ट्रेलर अब सभी भाषाओं में उपलब्ध है। लीलो और स्टिच एक बेहद मजेदार और दिल को छू लेने वाली कहानी है – एक अकेली हवाईयन लड़की और एक फरार एलियन की, जो उसकी टूटी हुई फैमिली को फिर से जोड़ने में मदद करता है। इस फिल्म का निर्देशन किया है अवॉर्ड-विनिंग निर्देशक डीन फ्लाइशर कैंप ने। पटकथा लिखी है क्रिस केकानिओकालानी ब्राइट और माइक वैन वेस ने। फिल्म में अभिनय कर रहे हैं सिडनी एलिजाबेथ अगुडॉन्ग, बिली मैगनसैन, टिया कैरेर, हैना वाडिंगहैम, क्रिस सैंडर्स, कोर्टनी बी. वेंस, और जैक गैलीफिआनाकिस, और नई कलाकार माया कीआलोहा की पहली फिल्म है यह।

डिज्नी की एनिमेटेड क्लासिक का यह लाइव-एक्शन रूपांतरण भारत में 23 मई 2025 को रिलीज होगा – अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु में।

सीनियर सिटीजन यात्रियों को रेलवे किराए में छूट वापस शुरू करने पर बिएसवीएस ने किया स्वागत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। इंडियन रेलवे ने 1 जून 2025 से वरिष्ठ नागरिकों और गर्भवती महिलाओं के लिए रेलवे किराए में छूट को फिर से लागू करने का निर्णय लिया है। यह छूट वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान बंद कर दी गई थी। इस निर्णय से देशभर के लाखों सीनियर सिटीजन और गर्भवती महिलाओं को राहत मिलेगी। बिंद समाज विकास संघ (इरश्र) ने लंबे समय से इस मांग को समाचार पत्रों, सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से सरकार तक पहुंचाया। इसके अलावा कई अन्य सामाजिक संगठनों ने भी इस दिशा में प्रयास किए थे। अब, 1 जून से वरिष्ठ नागरिकों और गर्भवती महिलाओं को टिकट बुकिंग में सहूलियत मिलेगी और वे अधिक आरामदायक यात्रा कर सकेंगे। सरकार के इस फैसले का देशभर के सामाजिक संगठनों और आम जनता ने स्वागत किया है। बिंद समाज विकास संघ ने इस निर्णय पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि यह कदम समाज के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और सकारात्मक सोच को दशार्ता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' की ऐतिहासिक सफलता पर पालघर में 'तिरंगा यात्रा',भारतीय सेना को समर्पित भावपूर्ण श्रद्धांजलि

वसई रोड। पालघर, हुतात्मा चौकः भारतीय सेना द्वारा हाल ही में सम्पन्न 'ऑपरेशन सिंदूर' ने अद्वितीय साहस, सटीक रणनीति और अपार वीरता का परिचय देते हुए पूरे देश को गौरवान्वित किया है। इस अद्वितीय अभियान की सफलता के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी, पालघर जिला द्वारा एक भव्य 'तिरंगा यात्रा' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. हेमंत सांवरा ने हुतात्मा चौक से निकली यात्रा में भाग लेकर भारतीय सेना के बलिदान, समर्पण और वीरता को नमन किया। हजारों देशभक्तों के साथ हाथों में तिरंगा लिए हुए मार्च करते हुए डॉ. सांवरा ने कहा, ₹हर कदम पर देश के प्रति कृतज्ञता और सम्मान की भावना मन में उमड़ रही थी। यह मात्र एक रैली नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम और एकता का जनआंदोलन था। यात्रा में पालकमंत्री एवं वनमंत्री गणेश नाईक, विधायक हरिश्चंद्र भोये, भाजपा जिला अध्यक्ष भरत राजपुत सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह आयोजन देशभक्ति, एकता और सशक्त भारत की संकल्पना का जीवंत प्रतीक बना।

पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

महाराजगंज। थाना क्षेत्र के मोतीपुर गांव के सिवान में सोमवार की सुबह ससुराल से 400 मीटर दूरी पर एक युवक का शव आम के पेड़ से रस्सी के सहारे लटकता हुआ युवक का शव मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक बिलरियागंज थाना क्षेत्र के पतिला गौसपुर गांव निवासी अरविंद यादव (28) की शादी 2022 में सुनीता से हुई थी। अरविंद के भाई विजय ने बताया कि अरविंद 10 मई को मुंबई गया था। उसके लौटने की जानकारी किसी को नहीं थी। सोमवार सुबह उसका शव मोतीपुर गांव के सिवान में आम के पेड़ से लटकता पाया गया। पुलिस ने इसकी जानकारी उसे दी। विजय ने बताया कि उसकी ससुराल घटनास्थल से 400 मीटर दूर मुडीलपुर गांव में ही है। मृतक चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था। महाराजगंज थाना प्रभारी विनय कुमार मिश्रा ने बताया कि युवक नशा करता था।